हकेंवि एक दशक में बाधाओं को पार करते हुए बना वटवृक्ष

जिला में विवि शिक्षा के क्षेत्र में एक मात्र बड़ी धरोहर

हरबिलास बालवान ● महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● सौजन्य से हकेंवि

क्षेत्र के गांव जाट पाली में स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक दशक के कार्यकाल में विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए वटवृक्ष बन चुका है। दादरी से महेंद्रगढ़ आते समय विश्वविद्यालय का भवन देख करके आम लोगों के दिमाग में यह बात आती है कि ऐतिहासिक शहर महेंद्रगढ़ में ऐसा ही होगा। लेकिन आजादी के बाद से महेंद्रगढ़ के सीने का अनेकों बार टुकड़े-टुकड़े होने के कारण इस क्षेत्र में केवल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ही बचा है।

विश्वविद्यालय का शिलान्यास हुआ तब भी यह चर्चा थी कि जिस तरह से महेंद्रगढ़ में जिला मुख्यालय स्थापित होने की बजाय नारनौल में जिला मुख्यालय स्थापित हो गए। उसी तर्ज पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास पट भी जाट पाली से उठ करके कहीं और चला जाएगा। केंद्रीय विश्वविद्यालय की कक्षाएं महेंद्रगढ़ में आरंभ होने की बजाय नारनौल के बीएड कॉलेज के भवन में लगने लगी तथा तत्कालीन वाइस चांसलर द्वारा कार्यालय गुरुग्राम में स्थापित करने के कारण लोगों के मन में एक भय बैठ गया था कि जिला मुख्यालय की तरह महेंद्रगढ़ के साथ छल हुआ है। उसी तर्ज पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के मामले में भी ऐसा ही होगा। हालांकि जाट पाली के ग्रामीणों ने पांच सौ से अधिक एकड़ जमीन स्वेच्छा से हकेंवि को देने के बावजूद भी लोग आशंकित थे। विश्वविद्यालय में एक ब्लॉक बनने के बाद भी नारनौल से कक्षाएं महेंद्रगढ़ में नहीं लगने के कारण लोगों की चिंता और बढ़ गई थी। वहीं जमीन देते समय मौखिक रूप से जाट पाली के ग्रामीणों को आरक्षण देने की बात हुई थी। जिसको लेकर समय-समय पर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने ग्रामीणों का लंबे समय तक धरना चला वहीं अनेकों मामलों में क्षेत्र के ग्रामीणों की अनदेखी होने पर ग्रामीणों द्वारा अनेकों बार धरना प्रदर्शन किए गए। उन सबको पार करते हुए अब हकेंवि अपने पूरे यौवन पर पहुंच गया। अनेकों विभागों के अलग से ब्लॉक तैयार होने, वाइस चांसलर का आवास बनने, ऑडिटोरियम बनने व लगभग सभी प्रकार की सुविधाएं विश्वविद्यालय परिसर में सुलभ होने के कारण अब लगने लगा है कि जिस तरह से इसका राजनेताओं द्वारा श्रेय लेने के लिए प्रचार किया जा रहा था उसी तरह का यह विश्वविद्यालय बन रहा है। विश्वविद्यालय में 36 विषयों मे 260 कोर्स चल रहे हैं और अनेकों गतिविधियों में विश्वविद्यालय ने अनेक अवॉर्ड प्राप्त करके अपनी अलग पहचान बनाई है।

यह क्षेत्र के युवाओं एवं उनके अभिभावकों के लिए भविष्य में वरदान साबित होगा। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अनेकों प्रतिभाशाली युवक दूर दराज के क्षेत्र में शिक्षा लेने से वंचित रह जाते थे। देश भर के साथ-साथ यहां के लोगों को भी शिक्षा मिल रही है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : स्वामी विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) इकाई ने भी ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विक्रांत खण्डेलवाल उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने सम्बोधन में युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि स्वामी जी ने अपने विचारों से युवा शक्ति को एक नया मार्ग दिखाया, जिस पर चलकर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनैतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया उनमें स्वामी विवेकानन्द का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

'युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानंद की भूमिका अहम: प्रो. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 14 जनवरी (परमजीत/मोहन): स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) इकाई ने भी ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता के रूप में ए.बी.वी.पी. के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल उपस्थित रहे।

वैबिनार को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़। (मोहन)

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने सम्बोधन में युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि स्वामी जी ने अपने विचारों से युवा शक्ति को एक नया मार्ग दिखाया, जिस पर चलकर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया उनमें स्वामी विवेकानंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने सन्यास की एक नई और व्यावहारिक परिभाषा ही गढ़ दी और संन्यास जीवन को सम्मान दिलाया। उसी का परिणाम है कि आज हम पूरे भारत में रामकृष्ण मिशन के तहत बहुत से चिकित्सालयों, विद्यालयों और दूसरी सेवा के कार्यों को देख सकते हैं।

इसी क्रम में मुख्य वक्ता ए.बी.वी.पी. के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खण्डेलवाल ने विवेकानंद के जीवनदर्शन और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला और राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति के योगदान का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि आज समूचा विश्व भारत की ओर आशावादी नजरों से देख रहा है और ऐसे में भारत की प्रतिष्ठा में बढ़ौतरी के लिए युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के पदचिन्हों पर चलना होगा। समय तेजी से बदल रहा है ऐसे में समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप हमें अपनी पूरी क्षमता के साथ भारत निर्माण के लक्ष्य को पाने के लिए प्रयास करना होगा। इस ऑनलाइन आयोजन के संयोजक प्रवेश कौशिक ने सफलतापूर्वक संचालन का कार्य किया और इसमें विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 15 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

15 Jan 2021

युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका अहमः कुहाड़

■ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई ने भी ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने संबोधन में युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानन्द की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि स्वामी ने अपने विचारों से युवा शक्ति को एक नया मार्ग दिखाया, जिस पर चलकर राष्ट्र निर्माण के

महेंद्रगढ़। ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो: हरिभूमि

लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनैतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया उनमें स्वामी विवेकानंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। 1881 में स्नातक नरेन्द्रनाथ लगभग 18 वर्ष की आयु में अपने अध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की शरण में आए और स्वामी विवेकानंद के रूप में जाने गए। एक सन्यासी होकर भी उन्होंने केवल अपने कल्याण की बात नहीं की बल्कि विश्व कल्याण के लिए अपने संपूर्ण जीवन को मानवता की सेवा में लगा दिया। उन्होंने सन्यास की एक नई और व्यावहारिक परिभाषा ही गढ़ दी और सन्यास जीवन को सम्मान दिलाया। उसी का परिणाम है कि आज हम पूरे भारत में रामकृष्ण मिशन के तहत बहुत से चिकित्सालयों, विद्यालयों और दूसरी सेवा के कार्यों को देख सकते हैं। इन कार्यों और अपने आचरण के माध्यम से ही स्वामी ने हम सभी के लिए और विशेषतया युवाओं के लिए संदेश दिया कि हम सभी को अपने ज्ञान, कर्म और सेवा के द्वारा निरन्तर प्रयासरत रहना चाहिए। इसी क्रम में मुख्य वक्ता एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल ने विवेकानंद के जीवन दर्शन और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला और राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति के योगदान का महत्त्व बताया।

वेबिनार | **कुलपति ने युवा शक्ति को एकीकृत करने में विवेकानंद की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया**

विवेकानंद के पदचिह्नों पर चलें युवा: कुहाड़

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) इकाई ने भी आनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खण्डेलवाल उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानंद की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों से युवा शक्ति को एक नया मार्ग दिखाया, जिस पर चलकर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में

हकेंवि, महेंद्रगढ़ की एबीवीपी इकाई द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● सौजन्यः हकेंवि

कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनैतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उनमें स्वामी विवेकानंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

1881 में स्नातक नरेन्द्रनाथ लगभग 18 वर्ष की आयु में अपने अध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शरण में आए और स्वामी विवेकानंद के रूप में जाने गए। एक संन्यासी होकर भी उन्होंने केवल अपने कल्याण की बात नहीं की बल्कि विश्व कल्याण के लिए अपने संपूर्ण जीवन को मानवता की सेवा में लगा दिया। उन्होंने संन्यास की एक नई और व्यावहारिक परिभाषा ही गढ़ दी और सन्यास जीवन को सम्मान दिलाया। उसी का परिणाम है कि आज हम पूरे भारत में रामकृष्ण मिशन के तहत बहुत से चिकित्सालयों, विद्यालयों और दूसरी सेवा के कार्यों को देख सकते हैं।

मुख्य वक्ता एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खण्डेलवाल ने राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज समूचा विश्व भारत की ओर आशावादी नजरों से देख रहा है और ऐसे में भारत की प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के लिए युवाओं को स्वामी विवेकानंद के पदचिह्नों पर चलना होगा।

इस आनलाइन आयोजन के संयोजक प्रवेश कौशिक ने सफलतापूर्वक संचालन का कार्य किया और इसमें विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

एक-दो दिन में केंद्रीय विद्यालयों को भी खोलने पर हो सकता है फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के केंद्रीय विद्यालयों को भी खोलने का फैसला अब अगले एक-दो दिनों में लिया जा सकता है। फिलहाल दिल्ली सरकार की सभी स्कूलों को 18 जनवरी से खोलने की घोषणा के बाद केंद्रीय विद्यालयों को खोलने की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि इसे लेकर अहम बैठक शुक्रवार को रखी गई है। इसमें स्कूलों में दसवीं और बारहवीं के बच्चों को छोटे-छोटे ग्रुप या फिर सभी को एक साथ बुलाने को लेकर फैसला लिया जाएगा।

वैसे तो उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में स्कूलों को खोलने की अनुमति काफी पहले ही दे दी गई थी। इसके बाद केंद्रीय विद्यालयों को भी खोल दिया गया है, लेकिन बच्चों की उपस्थिति को अनिवार्य न करने से उपस्थिति काफी कम है। ऐसे में सिर्फ वहीं बच्चे स्कूल आ रहे हैं, जिन्हें पढ़ाई में कहीं कोई दिक्कत है। बाकी सभी बच्चे ऑनलाइन ही पढ़ाई कर रहे हैं। हालांकि इस दौरान दसवीं और बारहवीं के बच्चों को प्रैक्टिकल कार्यों के लिए अनिवार्य रूप से बुलाया जा सकता है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन से जुड़े अधिकारियों की मानें तो स्कूलों और अभिभावकों के साथ चर्चा के बाद ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। वैसे भी जिस तरह से बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षाओं को एक मार्च से कराने की घोषणा की गई है, उसमें बच्चों को इससे पहले ही प्रैक्टिकल परीक्षा की तैयारी के लिए बुलाया जाना है। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि स्कूलों के बंद होने से अब तक प्रैक्टिकल बिल्कुल भी नहीं हो पाया है। इसके साथ ही बच्चों के स्पेशल कक्षाएं भी उपलब्ध कराई जा सकती है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थाई समिति ने भी बोर्ड परीक्षाओं से पहले छात्रों को कक्षाओं मे बुलाने का सुझाव दिया है।

स्कूल खोलने को लेकर आज होगी बैठक। फाइल

- केंद्रीय विद्यालय संगठन ने योजना पर शुरू किया काम, फिलहाल एक समय में नहीं बुलाई जाएगी पूरी क्लास
- दिल्ली सरकार की 18 से स्कूलों को खोलने की घोषणा के बाद शुरू हुई तैयारी, राज्यों में खुल चुके हैं केवी

केंद्रीय विद्यालय के बच्चों से 18 को निशंक करेंगे चर्चा

कोरोना संकट के दौरान स्कूलों को जब फिर से खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई है, उसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने 18 जनवरी को केंद्रीय विद्यालय के छात्रों से चर्चा का फैसला लिया है। निशंक ने गुरुवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि वह छात्रों से कोरोना संकट के बीच बिताए गए समय और अब सतर्कता के साथ स्कूलों में फिर से लौटने जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा कर सकते है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल आगामी सोमवार को छात्रों से चर्चा करेंगे। फाइल

राष्ट्रीय युवा दिवस • अभाविप द्वारा आयोजित वेबिनार को कुलपति प्रो.आर.सी.कुहाड़ ने किया संबोधित

युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानंद की भूमिका अहम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई ने भी ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खण्डेलवाल उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानंद की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया।

कुलपति ने कहा इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने सब न्योछावर कर दिया उनमें स्वामी विवेकानंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। सन 1881 में स्नातक नरेंद्रनाथ 18 वर्ष की आयु में आध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की शरण में आए और स्वामी विवेकानंद के रूप में जाने गए। एक सन्यासी होकर भी उन्होंने अपने कल्याण की बात नहीं की बल्कि विश्व कल्याण के लिए संपूर्ण जीवन को मानवता की

सेवा में लगा दिया। उन्होंने सन्यास की एक नयी और व्यावहारिक परिभाषा ही गढ़ दी और सन्यास जीवन को सम्मान दिलाया। उसी का परिणाम है कि आज हम पूरे भारत में रामकृष्ण मिशन के तहत बहुत से चिकित्सालयों, विद्यालयों और दूसरी सेवा के कार्यों को देख सकते हैं। इसी क्रम में मुख्य वक्ता एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खण्डेलवाल ने कहा राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति का अहम योगदान है।

जनसंख्या में बढ़ोतरी समस्या नहीं है बशर्ते कि हम बढ़ी हुई जनसंख्या की क्षमताओं का सर्वोत्तम ढंग से उपयोग कर पाएं। युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है ऐसे में समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप हमें पूरी क्षमता के साथ भारत निर्माण के लक्ष्य को पाने के लिए प्रयास करना होगा। इस ऑनलाइन आयोजन के संयोजक प्रवेश कौशिक ने सफलतापूर्वक संचालन का कार्य किया और इसमें विभिन्न विभागों के शिक्षक व अन्य लोग उपस्थित थे।

वेबिनार

एवीबीपी की ओर से आयोजित वेबिनार को कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया संबोधित

'युवा शक्ति को एकीकृत करने में विवेकानंद की भूमिका अहम'

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) इकाई ने भी ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल उपस्थित रहे।

वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने संबोधन में युवा शक्ति को एकीकृत करने में स्वामी विवेकानंद की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी ने अपने विचारों से युवा शक्ति को एक नया मार्ग दिखाया, जिस पर चलकर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह आकलन सहज ही किया जा सकता है कि भारत की सांस्कृतिक, राजनैतिक और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया उनमें स्वामी विवेकानंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

सन 1881 में स्नातक नरेंद्रनाथ लगभग 18 वर्ष की आयु में अपने अध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शरण में आए और स्वामी विवेकानन्द के रूप में जाने गये। एक सन्यासी होकर भी उन्होंने केवल अपने कल्याण की बात नहीं की बल्कि विश्व कल्याण के लिए अपने संपूर्ण जीवन को मानवता की सेवा में लगा दिया।

इसी क्रम में मुख्य वक्ता एबीवीपी के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल ने विवेकानंद के जीवन दर्शन और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला । राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति के योगदान को महत्त्व बताया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में बढ़ोतरी समस्या नहीं है बशर्ते कि हम बढ़ी हुई जनसंख्या की क्षमताओं का सर्वोत्तम ढंग से उपयोग कर पाएं। इस ऑनलाइन आयोजन के संयोजक प्रवेश कौशिक ने सफलतापूर्वक संचालन का कार्य किया और इसमें विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

अमेरिका में भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगी चर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अमेरिका में भारत के राजदूत के साथ शिक्षा मंत्री निशंक ने की चर्चा

नई शिक्षा नीति के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय साख को जिस तरह से नई ऊंचाई देने की कोशिशें की जा रही है, उसका प्रचार-प्रसार भी सरकार अब अमेरिका सहित उन सभी देशों में करेगी, जहां हर साल बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए जाते है। फिलहाल अमेरिका से यह मुहिम शुरू करने की योजना बनाई गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को इसे लेकर अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान अमेरिका के सभी शीर्ष शिक्षण संस्थानों में नई शिक्षा नीति को लेकर सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाएं आयोजित कराई जाएंगी। इस मुहिम में वहां के अन्य भारतीय वाणिज्य दूतावासों की भी मदद ली जाएगी।

निशंक ने अमेरिका में भारत के राजदूत को बताया कि स्पार्क कार्यक्रम के तहत अमेरिका के साथ मिलकर अनुसंधान प्रस्तावों को सबसे ज्यादा मंजूरी दी गई है। जो लगभग 75 करोड़ रुपये के हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास इस योजना का वहां और प्रचार-प्रसार करेगा।

शिक्षा मंत्रालय की इस रणनीति को पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों के साथ वहां के स्थानीय छात्रों को रिझाने से भी जोड़कर देखा जा रहा है। मंत्रालय इस कोशिश में लंबे समय से जुड़ा हुआ है कि विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों को देश में ही रोका जाए। इसके लिए वह अपने उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता बढ़ाने में जुटी है। इस पहल से भारतीय प्रतिभाओं का पलायन रुकेगा। मौजूदा समय में पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले ज्यादातर छात्र पढ़ाई के बाद वहीं नौकरी करने लगते हैं और बस जाते हैं। गौरतलब है कि भारत से हर साल दो लाख से ज्यादा छात्र अमेरिका जाते हैं। इसके साथ पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की पसंद ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इंग्लैंड आदि देश होते हैं।

हर राज्य में होंगे आइआइटी, आइआइएम जैसे संस्थान

शिक्षा का बढ़ता स्तर ▶ शिक्षा मंत्रालय ने तैयार की है योजना

आने वाले दिनों में ऐसे कुछ और संस्थानों को खोलने की हो सकती है घोषणा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आइआइटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) और आइआइएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) जैसे शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ना भला कौन नहीं चाहेगा, लेकिन संस्थानों की सीमित संख्या और सीटों के साथ सभी राज्यों में इनकी मौजूदगी न होना इस राह में एक बड़ी बाधा है। हालांकि शिक्षा मंत्रालय ने इस बाधा को दूर करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत सभी राज्यों में अब आइआइटी और आइआइएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थान खोले जाएंगे। मौजूदा समय में देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ही आइआइटी और 20 राज्यों में आइआइएम मौजूद हैं। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है, जहां दो आइआइटी मौजूद हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने फिलहाल सभी राज्यों में इन संस्थानों को खोलने की इस योजना पर काम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद शुरू किया है, जिसमें ऐसे संस्थानों को सभी राज्यों में खोलने की सिफारिश की गई है। वैसे भी जब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल का काम तेजी से चल रहा है, ऐसे में शिक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को भी लेकर भी गंभीरता दिखाई है। फिलहाल ऐसे सभी राज्यों को चिह्नित कर लिया गया है।

मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें आने वाले दिनों में वंचित राज्यों में ऐसे में संस्थानों को खोलने का फैसला लिया जा सकता है। वैसे भी मोदी सरकार ने आने के बाद शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या और सीटों को बढ़ाने में जुटी हुई है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि 2014 के बाद से देश में अब तक सात नए आइआइएम और इतने ही नए आइआइटी खोले जा चुके हैं। 2014 से पहले देश में कुल 13 आइआइएम और 16 आइआइटी ही मौजूद थे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये वैसे भी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में जिस तरह से बड़े बदलाव की योजना बनाई है, उनमें सभी राज्यों में ऐसे संस्थानों की स्थापना जरूरी हो जाती है। फिलहाल इस योजना के तहत देश के नौ राज्य और सात केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जिसमें अब तक आइआइएम नहीं है। इनमें गोवा और दिल्ली सहित मेघालय को छोड़कर पूर्वोत्तर के सभी राज्य शामिल हैं। जहां आइआइएम को खोलने की मांग काफी लंबे समय से की जा रही है।

वहीं केंद्र शासित प्रदेशों में सिर्फ जम्मू-कश्मीर एक ऐसा राज्य है, जहां आइआइएम है। इसी तरह देश के आठ राज्य और छह केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अभी नहीं है। योजना के तहत सभी राज्यों में इन संस्थानों के स्थापित होने के बाद बड़े राज्यों में इनकी संख्या को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा छात्रों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराना है।

'जिला वन मंडल अधिकारी ने हरियाली बढ़ाने के हकेंवि के प्रयासों को सराहा'

महेंद्रगढ़, 10 जनवरी (परमजीत/मोहन): जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार ने वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में किए गए पौधारोपण का निरीक्षण करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। इस दौरान जिला वन अधिकारी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा हरियाली बढ़ाने को किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की नर्सरी, हर्बल गार्डन व शैक्षणिक खंडों का भी दौरा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने जिला वन मंडल अधिकारी को वन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में किए गए पौधारोपण के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भी वन विभाग इसी प्रकार विश्वविद्यालय का सहयोग करता रहेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की फाइल फोटो।

विश्वविद्यालय के हॉर्टी कल्चर के इंचार्ज डा. सुरेंद्र सिंह ने जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार को वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज पानी के पुनरुपयोग और विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों की आधिकारिक जानकारी दी। जिला वन मंडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि अगले सत्र में विश्वविद्यालय परिसर में स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधारोपण सुनिश्चित किया जाएगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Mon,11 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
11 Jan 2021

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जाट-पाली।

हरियाली बढ़ाने के लिए हकेंवि की सराहना

महेंद्रगढ़। जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार ने वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किए गए पौधरोपण का निरीक्षण करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। इस दौरान जिला वन अधिकारी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा हरियाली बढ़ाने को किए जा रहे

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

11 Jan 2021

सेंटर यूनिवर्सिटी का फर्स्ट इंप्रेशन ही साबित हो रहा निगेटिव

बीटेक के प्रथम पासआउट बैच को यूनिवर्सिटी स्तर पर नहीं मिली प्लेसमेंट व इंटर्नशिप की सुविधा

- एमटेक डिग्री कोर्स से पहले पीएचडी लाने से छात्र असमंजस में, बीटेक के बाद होती है एमटेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला के गांव जाट पाली में जब हरियाणा सेंटर यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी तो जिला ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्र के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था कि अब उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। यूनिवर्सिटी में अनेक डिग्री व डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए थे। वर्ष 2016 में यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की भी शुरूआत की गई। जिसमें सेंटर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने चार ट्रेडों में बीटेक की कक्षाएं शुरू की थी। इस वर्ष 2020 में बीटेक का प्रथम बैच पास होकर निकल चुका है।

नारनौल। सेंटर यूनिवर्सिटी।

बीटेक पास आउट इस पहले बैच के अनेक विद्यार्थियों की व्यथा सुनकर ऐसा लग रहा है कि सेंटर यूनिवर्सिटी हरियाणा का फर्स्ट इंप्रेशन ही निगेटिव साबित हो रहा है। यूनिवर्सिटी से बीटेक की सिविल कंप्यूटर, इलेक्ट्रीकल व पीपीटी आदि चारों ट्रेडों के पास आउट प्रथम बैच के अनेक विद्यार्थियों ने बताया कि उनके परिजनों व उन्होंने जिस जोश व उत्साह से सेंटर यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में एडमिशन लिया था, उनका वो जोश बीटेक पूरी होते ही एक ही झटके में ना केवल गायब हो गया है बल्कि वे अपने आपको ठगा से महसूस कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों का कहना है कि उपरोक्त ट्रेड में अध्ययन करने के बाद यूनिवर्सिटी के एक भी छात्र से गेट का एग्जाम क्लीयर नहीं हुआ हैं, जिसका मुख्य कारण यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट द्वारा विद्यार्थियों को गेट कोचिंग या टिप्स के लिए कोई कोचिंग या कक्षाओं की व्यवस्था नहीं करना रहा है।

आरोप गलत

इस बारे में बीटेक के डीन डा. अजय बंसल ने बताया कि जो विद्यार्थी इंटर्नशिप और प्लेसमेंट का आरोप लगा रहे है वो गलत है। योग्य स्टूडेंट को प्लेसमेंट मिली है। 60 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप दी गई है। उन्होंने एमटेक कोर्स के बारे में कहा कि यह फिलहाल नहीं है, जिसे अगले सेशन से शुरू करने का प्रोसेस है।

अपने स्तर पर इंटर्नशिप नहीं करवाई

इसके अलावा इन विद्यार्थियों ने सबसे बड़ी हैरानी वाली बात तो यह बताई कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बीटेक के चारों ट्रेड के फाइनल इयर विद्यार्थियों में से किसी को भी अपने स्तर पर इंटर्नशिप नहीं करवाई और ना ही प्लेसमेंट की ऑफर दी। जिसके चलते सेंटर यूनिवर्सिटी में 2016 में बीटेक में दाखिला लेने के बाद इस वर्ष पास आउट होने वाले बीटेक के विद्यार्थी मारे-मारे फिर रहे हैं। इन विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि बीटेक पास आउट करने वाले विद्यार्थियों को यदि प्लेसमेंट किन्हीं कारणों से ऑफर नहीं हो पाई है तो यूनिवर्सिटी प्रशासन को इन छात्रों के भविष्य को देखते हुए यहां पर एमटेक डिग्री कोर्स शुरू करवाना चाहिए था, लेकिन एमटैक की बजाय यूनिवर्सिटी में पहले पीएचडी की कक्षाएं शुरू करवा दी गई हैं। बीटेक पास आउट विद्यार्थियों ने बताया कि वे सीधे ही पीएचडी में प्रवेश थोड़ी ले सकते हैं, इसके लिए पहले उन्हें एमटेक करना होता है और उसके बाद पीएचडी होती है।

बीटेक पास आउट विद्यार्थियों के सामने दोहरी समस्या

इन विद्यार्थियों का कहना है कि बीटेक पास आउट होने के बाद अब उनके सामने दोहरी समस्या बन गई है। एक तरफ तो प्लेसमेंट की समस्या और दूसरी एमटैक डिग्री कोर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा शुरू नहीं करना। जिसके चलते सेंटर यूनिवर्सिटी से बीटेक का पहला पास आउट बैच मारा-मारा फिर रहा है। इन विद्यार्थियों ने सेंटर यूनिवर्सिटी प्रशासन से मांग की है कि बीटेक प्रथम पास आउट विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी की तरफ से होने वाली पहली प्लेसमेंट ऑफर में शामिल किया जाए, अच्छी सीजीपीए, प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले सभी ट्रेडों के विद्यार्थियों को रॉल ऑफ ऑनर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाए। इन विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि उनका तथा उनके परिजनों को एक प्रतिनिधिमंडल इस मामले में जिला महेंद्रगढ़ के सत्ता पक्ष सभी चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश व केंद्र सरकार को ज्ञापन भी देंगे, ताकि इस जिला के विद्यार्थियों को सही मायने में इस सेंटर यूनिवर्सिटी का लाभ मिल सके।

हकेंवि में पर्यावरण के प्रति भी दिख रही जागरूकता : विपिन

जिला वन मंडल अधिकारी ने विवि में पौधों का निरीक्षण किया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शिक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा जाता है। अन्य शिक्षण संस्थानों को भी इसी प्रकार जागरूक होने की जरूरत है। जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार ने इसी प्रकार का आह्वान किया है। वे हकेंवि में वन विभाग की ओर से लगाए गए विभिन्न पौधों का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा विभिन्न पौधों की गई देखभाल के लिए कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ और उनके स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। प्रो. आरसी कुहाड़ ने वन मंडल अधिकारी को बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में सैकड़ों की संख्या में विभिन्न किस्म के आम, नीम, पीपल, शीशम, जामुन आदि छायादार, आंवला, अमरूद आदि औषधीय और सुगंधयुक्त पौधे लगाए हुए हैं जिनकी देखभाल का विशेष ध्यान रखा जाता है। जिला वन मंडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय की नर्सरी, हर्बल गार्डन व शैक्षणिक खंडों का भी दौरा किया। वन विभाग की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में काफी संख्या में पौधे लगाए गए हैं। उनकी देखरेख की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। कुलपति ने उन्हें आश्वासन दिया कि भविष्य में भी वन विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों में हर संभव सहयोग किया जाएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग इंचार्ज डा. सुरेंद्र सिंह ने जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार को वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज पानी के सदुपयोग और विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। जिला वन मंडल अधिकारी ने कहा कि अगले सत्र में विश्वविद्यालय परिसर में स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधारोपण सुनिश्चित किया जाएगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● जागरण

विश्वविद्यालय में वन विभाग की ओर से लगाए गए पौधों के साथ विवि प्रबंधन द्वारा अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए गए प्रयास सराहनीय हैं। अन्य शिक्षण संस्थानों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनकी देखभाल कैसे की जाए इसका प्रबंधन विश्वविद्यालय में देखने को मिल रही है।

विपिन कुमार, जिला वन मंडल अधिकारी

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आज

नई दिल्ली : नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की समीक्षा को लेकर सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक होने जा रही है। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक करेंगे। शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के कार्यान्वयन की गति तेजी नहीं पकड़ सकी। अब चूंकि धीरे-धीरे स्थितियां सामान्य हो रही हैं और उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ स्कूलों में बड़े क्लास की कक्षाएं शुरू होने की प्रक्रिया में हैं तो यही बेहतर समय है जब नई शिक्षा नीति तेजी से कार्यान्वित की जानी चाहिए। (एएनआइ)

जिला वन मंडल अधिकारी ने हरियाली बढ़ाने के लिए विश्विविद्यालय के प्रयासों को सराहा

महेंद्रगढ़ | जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार ने वन विभाग के हरियाणा केंद्रिय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में किए गए पौधारोपण का निरीक्षण करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। इस दौरान जिला वन अधिकारी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा हरियाली बढ़ाने को किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की नर्सरी, हर्बल गार्डन व शैक्षणिक खंडों का भी दौरा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने जिला वन मंडल अधिकारी को वन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में किए गए पौधरोपण के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भी वन विभाग इसी प्रकार विश्वविद्यालय का सहयोग करता रहेगा। विश्वविद्यालय के हॉर्टिकल्चर के इंचार्ज डॉ. सुरेंद्र सिंह ने जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार को वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज पानी के पुनरउपयोग और विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों की आधिकारिक जानकारी दी। जिला वन मंडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि अगले सत्र में विश्वविद्यालय परिसर में स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधरोपण सुनिश्चित किया जाएगा।

बीटेक के प्रथम पास आउट बैच को यूनिवर्सिटी स्तर पर नहीं मिली प्लेसमेंट ऑ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली में जब हरियाणा सेंटर यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी तो जिला ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्र के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। अब उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। यूनिवर्सिटी में अनेक डिग्री व डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए थे। वर्ष 2016 में यूनिवर्सिटी में स्कूल आफ इंजीनियरिंग की भी शुरुआत की गई। जिसमें सेंटर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने चार ट्रेडों में बीटेक की कक्षाएं शुरू की थी। इस वर्ष 2020 में बीटेक का प्रथम बैच पास होकर निकल चुका है। बीटेक पास आउट इस पहले बैच के अनेक विद्यार्थियों की व्यथा सुनकर ऐसा लग रहा है कि सेंटर यूनिवर्सिटी हरियाणा का फस्ट इंप्रेशन निगेटिव साबित होगा।

यूनिवर्सिटी से बीटेक की सिविल कंप्यूटर, इलेक्ट्रीकल व पीपीटी आदि चारों ट्रेडों के पास आउट प्रथम बैच के अनेक विद्यार्थियों ने बताया कि उनके परिजनों व उन्होंने जिस उत्साह से सेंटर यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ इंजीनियरिंग में एडमिशन लिया था, उनका वो जोश बीटेक पूरी होते ही एक ही गायब हो गया है बल्कि वे अपने आप को ठगा से महसूस कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों का कहना है कि उपरोक्त ट्रेडों में अध्ययन करने के बाद यूनिवर्सिटी के एक भी छात्र से गेट का एग्जाम क्लियर नहीं हुआ है, जिसका मुख्य कारण यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट द्वारा विद्यार्थियों को गेट कोचिंग या टिप्स के लिए कोई कोचिंग या कक्षाओं की व्यवस्था नहीं करना रहा है।

यूनिवर्सिटी ने 2016 में बीटेक के सिविल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रीकल और पीपीटी

यूनिवर्सिटी को पहले एमटेक डिग्री कोर्स शुरू करवाना चाहिए था लेकिन पीएचडी की कक्षाएं शुरू करवा दी : विद्यार्थियों ने सबसे बड़ी हैरानी वाली बात तो यह बताई कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बीटेक के चारों ट्रेड के फाइनल इयर विद्यार्थियों में से किसी को अपने स्तर पर इंटर्नशिप नहीं करवाई और ना ही प्लेसमेंट की ऑफर दी। बीटेक पास आउट करने वाले विद्यार्थियों को यदि प्लेसमेंट नहीं हो पाई है तो यूनिवर्सिटी प्रशासन को इन छात्रों के भविष्य को देखते हुए यहां पर एमटेक डिग्री कोर्स शुरू करवाना चाहिए था लेकिन यूनिवर्सिटी ने पहले पीएचडी की कक्षाएं शुरू करवा दीं, बीटेक पास आउट विद्यार्थियों ने बताया वे सीधे ही पीएचडी में प्रवेश नहीं ले सकते हैं, इसके लिए पहले उन्हें एमटेक करना होता है और उसके बाद पीएचडी। विद्यार्थियों का कहना है बीटेक पास आउट होने के बाद अब उनके सामने दोहरी समस्या है। एक तरफ तो प्लेसमेंट दूसरी एमटेक डिग्री कोर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा शुरू नहीं करना।

विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट शामिल करने की मां

विद्यार्थियों ने सेंटर यूनिवर्सिटी प्रशासन से मांग की है कि बी
प्रथम पास आउट विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी की तरफ से हो
वाली पहली प्लेसमेंट ऑफर में शामिल किया जाए, अच्छी
सीजीपीए, प्रथम और द्वितीय स्थान पर आने वाले सभी ट्रेडों
के विद्यार्थियों को रोल ऑफ ऑनर गोल्ड मेडल से सम्मानि
किया जाए। इन विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि उनका तथा उ
परिजनों को एक प्रतिनिधिमंडल इस मामले में जिला महेंद्रग
सत्ता पक्ष सभी चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश व
सरकार को एक ज्ञापन भी देंगे ताकि इस जिला के विद्यार्थि
को सही मायने में इस सेंटर यूनिवर्सिटी का लाभ मिल सके

डीएफओ ने हरियाली के लिए हकेंवि के प्रयासों की सराहना की

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में किए गए पौधरोपण का निरीक्षण किया। वन अधिकारी ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में हरियाली बढ़ाने को किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

डीएफओ विपिन कुमार ने विश्वविद्यालय की नर्सरी, हर्बल गार्डन, शैक्षणिक खंडों का भी दौरा किया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने जिला वन मंडल अधिकारी का पौधरोपण कराने के लिए धन्यवाद किया। डीएफओ विपिन कुमार ने कहा कि हकेंवि के बाद काफी बड़ा परिसर है। जिसमें हजारों की संख्या में पौधे लगाए जा सकते हैं। जिससे हमारा वन क्षेत्र बढ़ेगा। यहां पर हरियाली भी आएगी।

हकेंविवि में निरीक्षण करते डीएफओ विपिन कुमार। संवाद

कैंपस की सुंदरता बढ़ेगी। विश्वविद्यालय के हॉर्टिकल्चर के इंचार्ज डॉ. सुरेंद्र सिंह ने जिला वन मंडल अधिकारी विपिन कुमार को वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज पानी के पुर्न उपयोग की जानकारी दी। विश्वविद्यालय की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों की आधिकारिक जानकारी दी। जिला वन मंडल अधिकारी ने कहा कि अगले सत्र में विश्वविद्यालय परिसर में स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधरोपण कराया जाएगा।

जेईई एडवांस में 12वीं में 75% अंक की अनिवार्यता से छूट

नई दिल्ली। आईआईटी में प्रवेश के लिए इस बार जेईई एडवांस 3 जुलाई को होगी। परीक्षा में शामिल होने की पात्रता जेईई मेन और सिर्फ 12वीं पास होना रखी गई। कोविड-19 के चलते सरकार ने छात्रों को 2020 की तरह इस बार भी छूट दी है। इसके तहत 12वीं कक्षा में 75 फीसदी अंक और टॉप 20 पर्सेंटाइल की अनिवार्यता नहीं होगी। नियमों में बदलाव का लाभ देश के सभी 31 एनआईटी में दाखिला लेने वाले छात्रों को भी मिलेगा।केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को जेईई एडवांस 2021 की तारीख की घोषणा करते हुए कहा कि कोरोना के हालात को देखते हुए जेईई एडवांस के निर्धारित पात्रता मानदंडों में इस बार भी छूट दी गई है। छात्रों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को तैयारी के लिए सात महीने का पर्याप्त समय है। उन्होंने छात्रों परीक्षा के लिए शुभकामना दी। ब्यूरो

रमेश पोखरियाल निशंक

'हकेंवि के विद्यार्थी ने किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन'

महेंद्रगढ़, 6 जनवरी (परमजीत/मोहन): गणतंत्र दिवस परेड शिविर में शामिल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का स्वयंसेवक हेमंत सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया। 1 जनवरी से शुरू हुए गणतंत्र परेड शिविर में देश के अलग-अलग हिस्सों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति हेतु विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवकों को चुना गया। इन्हीं में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमंत भी सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने हेमन्त के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी

हकेंवि की फाइल फोटो। *(मोहन)*

उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हेमंत की इस सफलता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नए अध्याय को शामिल किया है।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि हेमन्त एक होनहार, अनुभवी, मेहनती और संयमशील स्वयंसेवक है जो विश्वविधालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की हर गतिविधि में निष्ठापूर्ण भाग लेता रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रस्तुति के दौरान हेमंत को उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह आदि से भी मुलाकात करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनंद शर्मा ने भी हेमन्त को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu,07 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ने किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन

● प्रधानमंत्री आवास पर गणतंन्त्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में देगा प्रस्तुति

● कुलपति बोले विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में जुड़ा एक नया अध्याय

हरियाणा ज्योति/महेंद्रगढ़, प्रमोद बेवल। गणतन्त्र दिवस परेड शिविर में शामिल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का स्वयंसेवक हेमन्त सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया। 1 जनवरी से शुरू हुए गणतन्त्र परेड शिविर में देश के अलग-अलग हिस्सों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति हेतु विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवको को चुना गया। इन्हीं में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमन्त भी सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने हेमन्त के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हेमन्त की इस सफलता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नए अध्याय को शामिल किया है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हेमन्त एक होनहार, अनुभवी, मेहनती और सयमशील स्वयंसेवक है जो विश्वविधालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की हर गतिविधि मे निष्ठापूर्ण भाग लेता रहा है।

हरिभूमि
रोहतक - मुख्य संस्करण
7 Jan 2021

उपलब्धि

गणतंत्र दिवस परेड में देश के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं हिस्सा

हकेंवि महेंद्रगढ़ का स्वयंसेवक

26 जनवरी को पीएम आवास पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देगा हेमंत

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ महेंद्रगढ़

गणतंत्र दिवस परेड शिविर में शामिल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमंत सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया। 1 जनवरी से शुरू हुए गणतंत्र परेड शिविर में देश के अलग-अलग हिस्सों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति हेतु विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवकों को चुना गया। इन्हीं में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमंत भी सम्मिलित है।

■ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा, विवि के विद्यार्थी हेमंत का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने हेमंत के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हेमंत की इस सफलता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नए अध्याय को शामिल किया है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समंवयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि हेमंत एक होनहार, अनुभवी, मेहनती व सयमशील स्वयंसेवक हैं।

दैनिक रणघोष बेहतर बदलाव की आवाज़ • देश

twitter.com/ranghosh1
facebook.com/ranghoshnews
instagram.com/ranghoshnews
7206492978
8824451547
ranghoshnews@gmail.com
ranghoshnews.com
helpdesk@ranghosh.com

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ने किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन

-प्रधानमंत्री आवास पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में देगा प्रस्तुति

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

गणतन्त्र दिवस परेड शिविर में शामिल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का स्वयंसेवक हेमन्त सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया। 1 जनवरी से शुरू हुए गणतन्त्र परेड शिविर में देश के अलग-अलग हिस्सों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति हेतु विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवको को चुना गया। इन्हीं में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमंत भी सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने हेमन्त के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हेमन्त एक होनहार, अनुभवी, मेहनती और सयमशील स्वयंसेवक है जो विश्वविधालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की हर गतिविधि मे निष्ठापूर्ण भाग लेता रहा है। उन्होंने बताया कि प्रस्तुति के दौरान हेमंत को उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडु, प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह आदि से भी मुलाकात करने का अवसर मिलेगा। विश्वविधालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनंद शर्मा ने भी हेमन्त को बधाई व शुभकामनायें दी।

छात्र पीएम आवास पर कार्यक्रम में देगा प्रस्तुति

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: गणतंत्र दिवस परेड शिविर में शामिल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का स्वयंसेवक हेमंत सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया। 1 जनवरी से शुरू हुए गणतंत्र परेड शिविर में देश के अलग-अलग हिस्सों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवकों को चुना गया। इन्हीं में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक हेमन्त भी सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने हेमन्त के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना सभी के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हेमन्त की इस सफलता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नए अध्याय को शामिल किया है।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि हेमन्त एक होनहार, अनुभवी, मेहनती और संयमशील स्वयंसेवक है जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की हर गतिविधि मे निष्ठापूर्ण भाग लेता रहा है। उन्होंने बताया कि प्रस्तुति के दौरान हेमन्त को उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडु, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह आदि से भी मुलाकात करने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनंद शर्मा ने भी हेमन्त को बधाई दी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● सौजन्य : हकेंवि

हेमन्त ● सौजन्यः हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण आर्काइव

हेमंत गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में देगा प्रस्तुति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का स्वयंसेवक हेमंत गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए चुना गया है। एक जनवरी से शुरू हुए गणतंत्र परेड शिविर में देश के विभिन्न राज्यों के 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर प्रस्तुति हेतु विभिन्न चयन प्रक्रिया के बाद इनमें से करीब 20 स्वयंसेवकों को चुना गया, इनमें हेमंत भी शामिल है।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हेमंत की इस सफलता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नए अध्याय को शामिल किया है। एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हेमंत एक होनहार, अनुभवी, मेहनती और सयमशील स्वयंसेवक है।

प्रस्तुति के दौरान हेमंत को उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह आदि से भी मुलाकात करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका और डॉ. आनंद शर्मा ने हेमंत को शुभकामना दी। (ब्यूरो)

'हकेंवि के 2 स्वयंसेवक राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए चयनित'

महेंद्रगढ़, 5 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 2 विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए हुआ है। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हकेंवि के विद्यार्थी अनमोल रतन और वंशिका सिंह प्रतिभागिता करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के साथ-साथ जिले, राज्य व पूरे देश को हमेशा गौरवान्ति करते रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिभागी छात्र अनमोल रतन का चयन स्टैंड अप कॉमेडी में एवं छात्रा वंशिका सिंह का चयन क्रिएटिव राइटिंग में राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। उन्होंने बताया कि

हकेंवि की फाइल फोटो।

जिले स्तर पर आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 9 प्रतिभागियों का चयन हुआ था, जिसमें जिला स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ।

जिले स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले से चयनित हुए प्रतिभागियों में विश्वजिता जेना ने सोलो क्लासिकल वोकल में द्वितीय, अनमोल रतन ने स्टैंड अप कॉमेडी में प्रथम, वंशिका सिंह ने क्रिएटिव राइटिंग में प्रथम व पर्यावरण फोटोग्राफी में द्वितीय, नीलाभ साहू ने स्कैचिंग पैंसिल में तृतीय, संजना बर्णवाल ने सोलो डांस और क्रिएटिव राइटिंग में द्वितीय, देवेंद्र कुमार ने योग विधा में तृतीय तथा शाहीन ने स्वलिखित कविता में द्वितीय स्थान हासिल किया।

अब ये दोनों प्रतिभागी 7 से 9 जनवरी तक स्थानीय कलाकृति भवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए व्यक्तिगत प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफैसर दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका, डा. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed,06 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

6 Jan 2021

हकेविवि के दो स्वयंसेवक युवा उत्सव के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए हुआ है। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हकेंविवि के विद्यार्थी अनमोल रतन और वंशिका सिंह प्रतिभागिता करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के साथ-साथ जिले, राज्य व पूरे देश को हमेशा गौरवान्ति करते रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के समंवयक डा. दिनेश चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य

अनमोल रतन और वंशिका सिंह

आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। जिले स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले से चयनित हुए प्रतिभागियों में विश्वजिता जेना ने सोलो क्लासिकल वोकल में द्वितीय, अनमोल रतन ने स्टैंड अप कॉमेडी में प्रथम, वंशिका सिंह ने क्रिएटिव राईटिंग में प्रथम व पर्यावरण फोटोग्राफी में द्वितीय, नीलाभ साहू ने स्केचिंग पेंसिल में तृतीय, संजना बर्णवाल ने सोलो डांस और क्रिएटिव राईटिंग में द्वितीय, देवेंद्र कुमार ने योग विधा में तृतीय तथा शाहीन ने स्वलिखित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक का राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए हुआ चयन

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के दो विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए हुआ है। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हकेंवि के विद्यार्थी अनमोल रतन और वंशिका सिंह प्रतिभागिता करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के साथ-साथ जिले, राज्य व पूरे देश को हमेशा गौरवान्ति करते रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि राज्य स्तर

पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिभागी छात्र अनमोल रतन का चयन स्टैंड अप कॉमेडी में एवं छात्रा वंशिका सिंह का चयन क्रिएटिव राईटिंग में राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। उन्होंने बताया कि जिले स्तर पर आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नौ प्रतिभागियों का चयन हुआ था, जिसमें जिला स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। जिले स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले से चयनित हुए प्रतिभागियों में विश्वजिता जेना ने सोलो क्लासिकल वोकल में द्वितीय, अनमोल रतन ने स्टैंड अप कॉमेडी में प्रथम, वंशिका सिंह ने क्रिएटिव राईटिंग में प्रथम व पर्यावरण फोटोग्राफी में द्वितीय, नीलाभ साहू ने स्केचिंग पेंसिल में तृतीय, संजना बर्णवाल ने सोलो डांस और क्रिएटिव राईटिंग में द्वितीय, देवेंद्र कुमार ने योग विधा में तृतीय तथा शाहीन ने स्वलिखित कविता में द्वितीय स्थान हासिल किया। अब ये दोनों प्रतिभागी 07 से 09 जनवरी 2021 तक स्थानीय कलाकृति भवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए व्यक्तिगत प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

खिलौनों और ऑनलाइन गेम्स के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम तेज हुई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने लांच किया खिलौना हैकथान
- देशभर के छात्र, स्टार्टअप और प्रोफेशनल्स इसमें लेंगे हिस्सा; बेहतर आइडिया देने वालों को मिलेंगे 50 लाख

खिलौनों और ऑनलाइन गेम्स के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर केंद्र सरकार ने ट्वायक्थान (खिलौना हैकथान) नाम से मंगलवार को एक बड़ी मुहिम शुरू की। इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय सहित छह मंत्रालयों की भागीदारी होगी। फिलहाल इसे लेकर देशभर के छात्रों, स्टार्टअप और प्रोफेशनल्स से विचार मांगे गए हैं। इसमें स्कूली छात्रों को भी पहली बार शामिल किया गया है। इस दौरान बेहतर विचार, इनोवेशन और डिजाइन से जुड़े सुझाव देने वालों को 50 लाख रुपये का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास व कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने संयुक्त रूप से मंगलवार को इस हैकथान को लांच किया। उन्होंने बताया कि इसका ग्रांड फिनाले 23 से 25 फरवरी के बीच होगा। निशंक ने कहा कि भारत के पास इतनी सारी प्रतिभा होने के बाद भी दुर्भाग्य की बात यह है कि हमें 80 फीसद खिलौनों का आयात करना पड़ता है। साथ ही बताया

रमेश पोखरियाल। फाइल

कि भारत में खिलौनों का करीब एक बिलियन डालर का कारोबार है। अभी देश में तैयार होने वाले खिलौनों की हिस्सेदारी काफी कम है। ऐसे में सरकार ने फैसला लिया है कि वह खिलौना और गेम्स उद्योग को भी नवाचार के साथ आगे बढ़ाएगी। वहीं जो खिलौने और गेम्स तैयार होंगे उनमें भारतीय जुड़ाव भी दिखेगा। स्मृति ईरानी ने इस मौके पर कहा कि सरकार खिलौना उद्योग को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। छह अलग-अलग मंत्रालयों को इस काम में लगाया गया है। फिलहाल इस पूरी मुहिम का मकसद खिलौनों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। वैसे भी इस पहल के पीछे मकसद यह है कि जो भी खिलौने बनें वे बच्चों के लिए सुरक्षित हों और उनके जरिये उन्हें कुछ नई सीख भी दी जा सके। बता दें कि इस मुहिम की शुरुआत पीएम मोदी की अपील के बाद हुई है।

खिलौना हैकथान का फोकस फिलहाल आनलाइन गेम्स (जिनमें मोबाइल गेम्स, वेब एप आदि शामिल हैं) के साथ फिजिकल खिलौनों को लेकर है। फिजिकल खिलौनों में भी इलेक्ट्रानिक्स, बोर्ड गेम्स, पजल, क्राफ्ट बेस्ट खिलौने आदि शामिल हैं। इस दौरान मिलने वाले सुझावों का जिन मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन होगा उनमें भारतीय संस्कृति, इतिहास, ज्ञान के साथ पर्यावरण, सीखने और पढ़ाई में उपयोगिता, सामाजिक और मानव मूल्यों, दिव्यांगजनों और फिटनेस आदि के लिए उपयोगिता आदि को शामिल किया है।

गर्व • हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम में हकेंवि के विद्यार्थी अनमोल रतन व वंशिका करेंगे प्रतिभागिता

2 स्वयंसेवक का राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए चयन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुआ है। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हकेंवि के विद्यार्थी अनमोल रतन और वंशिका सिंह प्रतिभागिता करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के साथ-साथ

अनमोल रतन

वंशिका सिंह

जिले, राज्य व पूरे देश को हमेशा गौरवान्वित करते रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिभागी छात्र अनमोल रतन का चयन स्टैंड अप कॉमेडी में एवं छात्रा वंशिका सिंह का चयन क्रिएटिव राइटिंग में राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। जिले स्तर पर आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नौ प्रतिभागियों का चयन हुआ था, जिसमें जिला स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ।

जिले स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले से चयनित हुए प्रतिभागियों में विश्वजिता जेना ने सोलो क्लासिकल वोकल में द्वितीय, अनमोल रतन ने स्टैंड अप कॉमेडी में प्रथम, वंशिका सिंह ने क्रिएटिव राइटिंग में प्रथम व पर्यावरण फोटोग्राफी में द्वितीय, नीलाभ साहू ने स्केचिंग पेंसिल में तृतीय, संजना बर्णवाल ने सोलो डांस और क्रिएटिव राइटिंग में द्वितीय, देवेंद्र कुमार ने योग विधा में तृतीय तथा शाहीन ने स्वलिखित कविता में द्वितीय स्थान हासिल किया। अब ये दोनों प्रतिभागी 7 से 9 जनवरी तक स्थानीय कलाकृति भवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए व्यक्तिगत प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

राज्यस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में हकेंवि के दो विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के दो विद्यार्थियों का चयन राज्यस्तर पर आयोजित होने वाले ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए हुआ है। प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में हकेंवि के विद्यार्थी अनमोल रतन और वंशिका सिंह प्रतिभागिता करेंगे। कुलपति प्रो. कुहाड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समंवयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए छात्र अनमोल रतन का चयन स्टैंड अप कॉमेडी में हुआ है। छात्रा वंशिका सिंह का चयन क्रिएटिव राइटिंग में राज्य स्तर के लिए हुआ है। जिलास्तर पर आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नौ

अनमोल रतन।

वंशिका सिंह।

प्रतिभागियों का चयन हुआ था। जिसमें जिलास्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। अब ये दोनों प्रतिभागी 7 से 9 जनवरी तक स्थानीय कलाकृति भवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए व्यक्तिगत प्रदर्शन करेंगे। सोलो क्लासिकल वोकल में द्वितीय, अनमोल रतन ने स्टैंड अप कॉमेडी में प्रथम, वंशिका सिंह ने क्रिएटिव राइटिंग में प्रथम, नीलाभ साहू ने स्केचिंग पेंसिल में तृतीय, संजना बर्णवाल ने सोलो डांस में द्वितीय रहा। (ब्यूरो)

'Learning in mother tongue will help kids grasp better, stay rooted'

Malini.Menon
@timesgroup.com

New Delhi: How will students adapt to their mother tongue being the medium of instruction in schools till Class 5? This question has been reverberating in the virtual school and parent groups ever since the National Educational Policy (NEP) has been approved by the Cabinet in July 2020.

Addressing the concern, Education Minister Ramesh Pohkriyal Nishank at a panel discussion on the NEP, organised as part of the Keep Learning programme, an initiative of The Times of India, powered by BYJU's, said a study of the synergistic effect — language acquisition, cultural understanding and scholastic ability — and scientific reasoning has led to the mother tongue being proposed as the medium of instruction for primary classes.

World over, mother tongue as instructional medium

"The prelude of the mother tongue will bring the school closer to home. Hence, with instructions given in the mother tongue, a primary school student will be able to express freely, creatively and vociferously," Pokhriyal said.

About the concern among parents on how kids will be globally competitive, he said, "The world has embraced the use of local languages while imparting education. Even the UNESCO proposes that countries should revive the local languages among the millennials. So, while nothing is being imposed, the educators need to explore and embrace the transformation with an open mind."

Taking examples of countries using the mother tongue as the instructional medium, Pokhriyal said, "Japan, Germany and many others provide education in their local languages and in no way are their students lagging behind."

-File copy

Education Minister Ramesh Pokhriyal addresses NEP queries

VIEWPOINT

We live in a cosmopolitan India, where people from different states with different languages and cultures work and communicate in sync. While the educational reforms are welcome, language politics need to be kept aside.

SARASWATHI LAXMAN, advertising professional, mother of 7-yr-old

Instead of making the mother tongue a medium of instruction and confusing children, it can be retained as a language option so that it serves the purpose of cultural education.

RUPALI NAZ, news anchor, mother of 4-yr-old

India being a cultural potpourri with people migrating across states, the mother tongue policy will be a political statement, rather than an educational reform. Hence, there is no reason to deviate from English as the main source of instruction and confusing children further.

MANU SINHA, IT professional, father of 9-yr-old

In my teaching journey in three states, I have witnessed the struggle faced by children in grasping basic concepts in English. The helplessness of parents to assist kids due to the same reason is not alien to me. This is why the mother tongue as a medium of instruction resonates with me.

PRIYANKA SINGH VINAYAK, teacher, DPS, Vasant Vihar

No more report cards

Discarding the score-based report card system, Pokhriyal said 'progress cards' will be introduced. "It will consider a 360-degree check, carrying assessments by kids themselves, peers, teachers and parents in a collaborative way," he said.

EXPERTS ON MOTHER TONGUE

During the early development process, the brain adapts to the mother tongue at a time when it is storing emotional and visual information. Hence, it helps in the ease of expression, development of personal, social and cultural identity, said Dr Sameer Malhotra, psychiatrist.

Corroborating Dr Malhotra, psychologist Anubha Doshi, said, "while science proves kids should be exposed to multiple languages, schools are anyway doing so with English being the main instructional medium and language options also existing alongside. So why change the instructional medium when kids are anyway multi-lingual?"

UPCOMING WEBINAR

Webinar on 'National Education Policy - A policy to nurture well rounded learning' on Sunday, 10th January 2021, 11am. To access information on more such topics and to register for the webinar log on to www.TimesKeepLearning.com, give a missed call on 9555977000 or scan the QR code

THE TIMES OF INDIA
INITIATIVE
Keep Learning
POWERED BY
BYJU'S

संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए हकेंवि में शुरू होगा सेंट्रलाइज्ड इंस्ट्रूमेंटल प्रोग्राम

सभी विभागों में उपलब्ध संसाधनों की सूची होगी तैयार, ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट लेकर कर सकेंगे उपयोग

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। कम के कम संसाधनों का अधिक से अधिक बेहतरीन उपयोग हो सके इस सोच के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेंट्रलाइज्ड इंस्ट्रूमेंटल प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। जिसके लिए सभी विभागों में उपलब्ध संसाधनों की सूची तैयार की गई है। इन सभी संस्थानों को एक स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद ऑनलाइन तरीके से अप्वाइंटमेंट लेकर विद्यार्थी इसका उपयोग कर सकेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ की सोच है कि संसाधनों का अधिक बेहतर उपयोग होना चाहिए। एक ही प्रदेश में अलग अलग संस्थान हर साल करोड़ों रुपये के संसाधन खरीदते हैं। काफी स्थानों पर यह संसाधन महीनों तक तालों में बंद रहते हैं। उपयोग न होने के चलते कई बार ऐसे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़।

उपकरण खराब होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं। अगर एक व्यवस्थित तरीका अपनाकर इन संसाधनों का उपयोग किया जाए तो कम बजट में अधिक बेहतर काम हो सकता है।

करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने इस बारे में प्रयास करते हुए प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटी के वीसी हकेंवि में आमंत्रित किए थे। जिस पर कुलपतियों की ओर से प्रभावशाली प्रतिक्रिया नहीं मिली। कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने अपने संस्थान से इसकी शुरूआत करने का फैसला लिया है। जिसमें पहले हकेंवि अपने सभी विभागों में इसे लागू करेगा।

संसाधनों के उपयोग के लिए तय होगी फीस

संसाधनों की सुरक्षा तथा रख रखाव के लिए बजट की जरूरत रहती है। ऐसे में इस सिस्टम से ही फंड भी एकत्र किया जाएगा। संसाधनों के उपयोग के लिए एक फीस तय की जाएगी। इस फीस को अदा करने के बाद बाहरी संस्थानों के छात्र भी इसे उपयोग कर सकेंगे। ऐसे में कॉलेज के विद्यार्थी भी आधुनिक मशीनों का उपयोग कर पाएंगे।

हकेंवि अपने संसाधनों को दूसरे संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध कराएगा। इसके लिए कुछ कॉमन पैलेस तय किए गए हैं। सभी विभागों में उपलब्ध संसाधनों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। जिसके बाद इन्हें जरूरत के अनुसार उपयोग किया जा सकेगा। कुलपति आरसी कुहाड़ ने कहा कि यूनिवर्सिटी में आधुनिक तकनीकों वाली मशीनें आती रहती हैं। ऐसे में पुराने मॉडल की मशीनों को कॉलेजों, स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिससे विद्यार्थी कुछ सीख सकें।

संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिए। ऐसा कर हम देश को तरक्की की राह पर ले जा सकेंगे। इस सोच को लेकर हमने सेंट्रलाइज्ड इंस्ट्रूमेंटल प्रोग्राम शुरू करने का फैसला लिया है। इसके लिए जल्द ही सूची तैयार हो जाएगी। ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट लेकर संसाधनों को आसानी से उपयोग कर सकेंगे। इस प्रोग्राम से रिसर्च के विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा।

प्रो. आरसी कुहाड़, कुलपति,हकेंवि, महेंद्रगढ़।

CUH TO SET UP RESEARCH CHAIR

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) has decided to set up Kamdhenu research chair to make the future generations scientifically aware of the use and importance of cows. "The role of cows has been important in Indian culture. So, there is an urgent need to educate the younger generation about the agricultural, health, social and environmental importance of indigenous cows. The chair will focus on the importance of cows for humanity," said Vice-Chancellor Prof RC Kuhad.

The Tribune Mon, 04 January 2021 https://epaper.tribuneindia

'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' अभियान में हकेंवि का उल्लेखनीय रहा प्रदर्शन

महेंद्रगढ़, 3 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) ने भारत सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' योजना के तहत अलग-अलग जगह पर स्वयंसेवकों ने साफ-सफाई और जागरूकता अभियान चलाया। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत समर इंटर्नशिप प्रोग्राम सत्र-2019 के आरम्भ में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर किया। इस योजना के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने जिला व राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक मोर्चे पर भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कोरोना काल में भी स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। प्रो. कुहाड़ ने स्वयंसेवकों को अच्छी सोच और सकारात्मक ऊर्जा व विचार के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' अभियान में विश्वविद्यालय की गणित विभाग की ज्योति कुमारी ने जिला स्तर पर प्रथम व राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिसके लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ज्योति कुमारी को 50 हजार रुपए की राशि से पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में पर्यावरण अध्ययन विभाग के छात्र सूर्या प्रताप ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 20 हजार रुपए की राशि का ईनाम जीता।

विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सुमित चोयल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उसे भी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 10 हजार रुपए की राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीणों को सूखे व गीले कचरे तथा पानी के महत्व बारे करवाया अवगत: बता दें कि जिला स्तर पर प्रथम व राज्य स्तर पर तृतीय स्थान हासिल करने वाली ज्योति कुमारी ने अपने गांव करौली, राजस्थान में इस योजना को पूर्ण किया। ज्योति ने गांव की गलियों व स्कूलों की सफाई का कार्य किया। साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सूखे व गीले कचरे के बारे में और पानी के महत्व से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त सामाजिक बुराइयों व महिलाओं को वुमन हाइजीन की जानकारी दी।

सूर्य प्रताप ने जिला कैमला, राजस्थान में इस योजना को पूरा किया। सूर्य प्रताप ने अपने गांव में साफ-सफाई और जागरूकता अभियान की शुरूआत की और विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों जाट-पाली में भी साफ सफाई और पौधारोपण, जागरूकता अभियान किया और उसने वह घर-घर जाकर किसान भाइयों को पराली व पानी के सही उपयोग के बारे में अवगत करवाया।

स्कूल, मंदिरों में दी पौधारोपण की सलाह

सुमित ने अपने गांव नांगल सिरोही, जिला महेंद्रगढ़ में इस योजना को पूरा किया। इसने स्कूल, मंदिरों में पौधारोपण किया और घर-घर जाकर शौचालय का उपयोग करने की सलाह दी। आसपास साफ-सफाई, सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने के बारे में बताया। साथ ही बच्चों के लिए प्राथमिक चिकित्सा, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रतिज्ञा ली कि हम अपने आस-पड़ोस में साफ-सफाई खुद भी रखेंगे और दूसरों को साफ-सफाई रखने के बारे में बताएंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफैसर दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका, डा. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Mon,04 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

सराहनीय कार्य | स्वयंसेवकों और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने कई जगहों पर साफ-सफाई व जागरूकता अभियान चलाया

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान में किया शानदार प्रदर्शन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने भारत सरकार के द्वारा स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत योजना के तहत अलग-अलग जगह पर स्वयं सेवकों व छात्रों द्वारा साफ सफाई और जागरूकता अभियान चलाया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत समर इंटर्नशिप प्रोग्राम सत्र-2019 के आरंभ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर और जिला स्तर पर आयोजन की शुरुआत की।

ज्योति कुमारी ●

इस योजना के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने जिला व राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक मोर्चे पर भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कोरोना काल में भी स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। प्रो. कुहाड़ ने स्वयंसेवकों को अच्छी सोच और सकारात्मक ऊर्जा व विचार के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत इस अभियान में विश्वविद्यालय की गणित विभाग की ज्योति कुमारी ने जिला स्तर पर प्रथम व राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ज्योति कुमारी को पचास हजार रुपये की राशि से पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में पर्यावरण अध्ययन विभाग के छात्र सूर्या प्रताप ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर बीस हजार रूपये की राशि का इनाम जीता। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सुमित चोयल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें भी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दस हजार रुपये की राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● सौजन्य: पीआरओ

सूर्य प्रताप●

सुमित●

बता दें कि जिला स्तर पर प्रथम व राज्य स्तर पर तृतीय स्थान हासिल करने वाली ज्योति कुमारी ने अपने गावं करौली, राजस्थान में इस योजना को पूर्ण किया। ज्योति ने गांव की गलियों व स्कूलों की सफाई का कार्य किया। साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सूखे व गीले कचरे के बारे में व पानी के महत्व से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त सामाजिक बुराइयों व महिलाओं को वुमेन हाइजीन की जानकारी दी। सूर्य प्रताप ने जिला कैमला, राजस्थान में इस योजना को पूरा किया। सूर्य ने गांव में साफ सफाई व जागरूकता अभियान की शुरुआत की और विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों जांट-पाली में भी साफ-सफाई, पौधारोपण व जागरूकता अभियान चलाया और उन्होंने वह घर घर जाकर किसान भाइयों को पराली व पानी का सही उपयोग के बारे में अवगत करवाया।

सुमित ने अपने गांव नांगल सिरोही, जिला महेंद्रगढ़ में इस योजना को पूरा किया। उन्होंने स्कूल, मंदिरों में पौधारोपण किया और घर-घर जाकर शौचालय का उपयोग करने की सलाह दी। आसपास साफ-सफाई, सूखा और गीला कचरा को अलग-अलग रखने के बारे में बताया। साथ ही बच्चों के लिए प्राथमिक चिकित्सा, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रतिज्ञा ली की हम अपने आस पड़ोस में साफ-सफाई खुद भी रखेंगे और दूसरों को साफ-सफाई रखने के बारे में बताएंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका, डा. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

'स्वस्थ भारत अभियान' में हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत योजना के तहत अलग-अलग जगह पर स्वयं सेवकों ने साफ सफाई और जागरूकता अभियान चलाया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत समर इंटर्नशिप प्रोग्राम सत्र-2019 के आरम्भ में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर राज्य स्तर और जिला स्तर पर आयोजन की शुरुआत की।

इस योजना के तहत हकेंवि के विद्यार्थियों से भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने जिला व राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्वयंसेवकों को बधाई दी। कोरोना काल में भी स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने स्वयंसेवकों को अच्छी सोच और सकारात्मक ऊर्जा व विचार के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत अभियान में गणित विभाग की ज्योति कुमारी ने जिला स्तर पर प्रथम व राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिसके लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ज्योति कुमारी को पचास हजार रुपए की राशि से पुरस्कृत किया। इसी क्रम में पर्यावरण अध्ययन विभाग के छात्र सूर्या प्रताप ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर बीस हजार रुपए की राशि का इनाम जीता। विवि के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सुमित चोयल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उसे भी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दस हजार रुपए की राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत योजना के विजेता।

बता दें कि जिलास्तर पर प्रथम व राज्यस्तर पर तृतीय स्थान हासिल करने वाली ज्योति कुमारी ने अपने गावं करौली, राजस्थान में इस योजना को पूर्ण किया। ज्योति ने सामाजिक बुराइयों व महिलाओं को वूमेन हाइजीन की जानकारी दी। सूर्य प्रताप ने जिला कैमला, राजस्थान में इस योजना को पूरा किया। सूर्य प्रताप ने अपने गांव में साफ सफाई और जागरूकता अभियान की शुरुआत की और विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों जांट-पाली में भी साफ सफाई और पौधारोपण, जागरूकता अभियान किया।

सुमित ने गांव नांगल सिरोही, जिला महेंद्रगढ़ में इस योजना को पूरा किया। आसपास साफ सफाई सुखा और गीला कचरा को अलग-अलग रखने के बारे में बताया। साथ ही बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वप्रोफेसर दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

'शोधार्थियों को नैतिक शोध के लिए प्रशिक्षित करेगा हकेंवि: प्रो. कुहाड़'

केंद्रीय पुस्तकालय में दो क्रैडिट अनिवार्य पाठ्यक्रमों की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 2 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय ने 'रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स' पर विश्ववद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा अनुमोदित दो क्रैडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आरम्भ किया है। ये पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न विभागों में पंजीकृत 250 से अधिक एम.फिल. व पीएच.डी. के शोधार्थियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुसंधान के स्तर पर उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय शोधार्थियों को शोध व प्रकाशन के लिए आवश्यक मानकों से अवगत कराने के लिए यह विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों की मदद से शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध व प्रकाशन कार्यों के

हकेंवि की फाइल फोटो।

तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से संसाधनों व शोधकर्त्ताओं के बहुमूल्य समय की बचत को सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही हमारे शोधार्थी इस प्रयास के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध प्रिंट व ई-संसाधनों का भी भरपूर उपयोग कर पाएंगे। कुलपति ने इस प्रयास के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की टीम को बधाई दी और इस प्रशिक्षण कार्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त देश भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के डोमेन विशेषज्ञों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। हकेंवि में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सी.एच. के समन्वयन में और सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष डा. विनोद कुमार व नरेश कुमार के सह-समन्वयन में उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sun,03 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

3 Jan 2021

पाठ्यक्रम | शोधार्थियों को नैतिक शोध के लिए प्रशिक्षित करेगा हकेंवि

गुणवत्तापूर्ण शोध व प्रकाशन कार्यों के तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी

केंद्रीय पुस्तकालय में दो क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रमों की हुई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय ने रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आरम्भ किया है। ये पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न विभागों में पंजीकृत 250 से अधिक एमफिल व पीएचडी के शोधार्थियों को उपलब्ध कराये जा रहा हैं।

- विभिन्न विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुसंधान के स्तर पर उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय शोधार्थियों को शोध व प्रकाशन के लिए आवश्यक मानकों से अवगत कराने के लिए यह विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों की मदद से शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध व प्रकाशन कार्यों के तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जांट-पाली। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से संसाधनों व शोधकर्ताओं के बहुमूल्य समय की बचत को सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही शोधार्थी इस प्रयास के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध प्रिंट व ई संसाधनों का भी भरपूर उपयोग कर पायेंगे।

कुलपति ने इस प्रयास के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की टीम को बधाई दी और इस प्रशिक्षण कार्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त देश भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के डोमेन विशेषज्ञों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। हकेंविवि में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच के समन्वयन में और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार व नरेश कुमार के सह-समन्वयन में उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

शोधार्थियों को प्रशिक्षित करेगा हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय ने रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो-क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आरंभ किया है। ये पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न विभागों में पंजीकृत 250 से अधिक एमफिल व पीएचडी. के शोधार्थियों को उपलब्ध कराये जा रहा हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुसंधान के स्तर पर उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय शोधार्थियों को शोध व प्रकाशन के लिए आवश्यक मानकों से अवगत कराने के लिए यह विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों की मदद से शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध व प्रकाशन कार्यों के तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

पाठ्यक्रम

- केंद्रीय पुस्तकालय में दो पाठ्यक्रमों की हुई शुरुआत
- यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से संसाधनों व शोधकर्ताओं के बहुमूल्य समय की बचत को सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही हमारे शोधार्थी इस प्रयास के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध प्रिंट व ई-संसाधनों का भी भरपूर उपयोग कर पायेंगे। कुलपति ने इस प्रयास के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की टीम को बधाई दी और इस प्रशिक्षण कार्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त देश भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के डोमेन विशेषज्ञों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

हकेंवि में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच के समन्वयन में और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार व नरेश कुमार के सह-समन्वयन में उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स • केंद्रीय पुस्तकालय में दो क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रमों की शुरुआत

शोधार्थियों को नैतिक शोध के लिए प्रशिक्षित करेगा हरियाणा केंद्रीय विवि : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय ने 'रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स' पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो-क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आरम्भ किया है। ये पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न विभागों में पंजीकृत 250 से अधिक एमफिल व पीएचडी के शोधार्थियों को उपलब्ध कराये जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुसंधान के स्तर पर उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय शोधार्थियों को शोध व प्रकाशन के लिए आवश्यक मानकों से अवगत कराने के लिए यह विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों की मदद से शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध व प्रकाशन कार्यों के तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न

विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से संसाधनों व शोधकर्ताओं के बहुमूल्य समय की बचत को सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही हमारे शोधार्थी इस प्रयास के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय मे उपलब्ध प्रिंट व ई-संसाधनों का भी भरपूर उपयोग कर पायेंगे।

कुलपति ने इस प्रयास के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की टीम को बधाई दी और इस प्रशिक्षण कार्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त देश भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के डोमेन विशेषज्ञों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। हकेंवि में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच के समन्वयन में और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार व नरेश कुमार के सह-समन्वयन में उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

'शोधार्थियों को नैतिक शोध के लिए प्रशिक्षित करेगा हकेंविवि'

महेंद्रगढ़।(संवाद) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के केंद्रीय पुस्तकालय ने रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो-क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आरंभ किया है।

ये पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न विभागों में पंजीकृत 250 से अधिक एमफिल, पीएचडी के शोधार्थियों को उपलब्ध कराये जा रहा हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय में दो क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रमों की हुई शुरुआत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुसंधान के स्तर पर उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय शोधार्थियों को शोध, प्रकाशन के लिए आवश्यक मानकों से अवगत कराने के लिए यह विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों की मदद से शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध, प्रकाशन कार्यों के तकनीकी पक्षों को जानने में मदद मिलेगी।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न विभागों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने का प्रयास उल्लेखनीय है। हकेंविवि में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. के समंवयन में और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार, नरेश कुमार के सह-समन्वयन में उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बीसीआई की टीम ने किया केंद्रीय विश्वविद्यालय के विधि विभाग का वर्चुअल निरीक्षण

तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम को जल्द ही मान्यता मिलने की उम्मीद

पांच सदस्यीय कमेटी ने ढाई घंटे तक किया निरीक्षण सुविधाओं पर काफी हद तक की संतुष्टि जाहिर

लड़कियों के लिए बने सामूहिक कक्ष में टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ का वर्चुअल इंस्पेक्शन किया। पांच सदस्यीय कमेटी ने करीब ढाई घंटे तक विभाग की बारीकियों से जानकारी ली। वीडियो कैमरा के जरिए पूरे डिपार्टमेंट का अवलोकन किया। कमेटी ने निरीक्षण के बाद डिपार्टमेंट ऑफ लॉ को कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा में शैक्षणिक सत्र 2020-21 से एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किया है। जिसके लिए मार्च 2020 में आवेदन मांगे गए थे। 120 सीट के लिए देश भर से करीब 800 से अधिक आवदेन आए थे। अक्तूबर माह में दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। एलएलबी की डिग्री के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता लेना अनिवार्य होता है। ऐसे में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने बीसीआई के सामने जनवरी 2020 में ही आवेदन किया हुआ था। कोरोना के चलते यह इंस्पेक्शन अब तक नहीं हो सका था।

वीडियो कैमरे के जरिये विभाग के पूरे परिसर का कराया मुआयना

बार काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम ने पिछले सप्ताह वर्चुअल इंस्पेक्शन किया। जिसमें सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अंजना मिश्रा, बीसीआई के मेंबर रम्मी रेडी, सुरेश चंद, स्टेट बार काउंसिल के प्रतिनिधि प्रताप सिंह, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर केके द्विवेदी शामिल हुए। लॉ डिपार्टमेंट के डीन प्रो. राजेश मलिक ने सबसे पहले विभाग में उपलब्ध संसाधनों, कैंपस, भवन, विद्यार्थियों की संख्या, आवेदनों की संख्या, दाखिला प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, परीक्षा के तरीके, फैकल्टी सहित अन्य विषयों पर करीब एक घंटे तक विस्तृत जानकारी दी। जिस पर टीम काफी हद तक संतुष्ट नजर आई। वर्ष 2013-14 में यूनिवर्सिटी में एलएलएम कोर्स शुरू किया गया था। इसके बाद पीएचडी के लिए सीट उपलब्ध कराई गई थी। एलएलबी कोर्स शुरू करने से पहले डिपार्टमेंट ऑफ लॉ में नए शिक्षकों की भर्ती भी की गई है।

बीसीआई की टीम को वर्चुअल निरीक्षण कराते प्रो. राजेश मलिक। संवाद

निरीक्षण के दौरान ऑनलाइन कार्यक्रम में हिस्सा लेते प्रो. राजेश मलिक। संवाद

> लॉ डिपार्टमेंट में पीएचडी तथा एलएलएम के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे थे। इसबार थ्री ईयर एलएलबी कोर्स शुरू किया गया है। जिसके लिए बीसीआई काउंसिल ने वर्चुअल इंस्पेक्शन किया है। टीम ने काफी हद तक संतुष्टि जाहिर की है। हमें जल्द ही मान्यता मिलने की उम्मीद है।
>
> **-डॉ. राजेश मलिक, डीन, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, हकेंवि, महेंद्रगढ़।**

टीम को वीडियो कैमरा के साथ शैक्षणिक खंड के प्रथम तल का भ्रमण करते हुए निरीक्षण कराया गया। जिसमें डीन का कक्ष, एचओडी का कक्ष, शिक्षकों के कक्ष, क्लासरूम, मूट कोर्ट, रिसर्च स्कॉलर का कक्ष, लड़कों का सामूहिक कक्ष, लड़कियों के सामूहिक कक्ष सहित पूरे भवन का मुआयना कराया गया। टीम ने लड़कियों के लिए बने सामूहिक कक्ष में टॉयलेट सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस क्षेत्र के युवाओं को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उनके घर द्वार पर ही उपलब्ध कराने का काम हकेंवि कर रहा है। इस सत्र से एमफार्मा, मास्टर इन फिजिकल एंड स्पोर्ट्स, एलएलबी थ्री ईयर पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। अगले चरण में एलएलबी फाइव ईयर को भी शुरू कराया जाएगा। कई अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी प्रपोजल तैयार किए जा रहे हैं।

-प्रो.आरसी कुहाड़, कुलपति, हकेंवि, महेंद्रगढ़।

हकेंविवि में स्थापित होगी कामधेनु शोध पीठ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में कामधेनु शोध पीठ की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहना है कि गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण रही है। स्वदेशी नस्ल की गायों के कृषि, स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के विषय में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य का पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेषज्ञता के स्तर पर शोध की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। कुलपति ने कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय में कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के बाद राष्ट्रीय कामधेनु आयोग, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि कामधेनु शोध पीठ का उद्देश्य मानवता के लिए गाय के महत्व पर केंद्रित होगा। हमारा प्रयास होगा कि हम इस पीठ के माध्यम से युवा पीढ़ी को मानव जीवन में विभिन्न स्तरों पर वैज्ञानिक रूप से गाय के उपयोग और उसकी महत्ता से अवगत कराएं।

स्वदेशी गायों और हमारी शिक्षा प्रणाली से संबंधित विज्ञान को सामने लाने में यह पीठ महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में शोधार्थी नीरज आर्य ने इस दिशा में कार्य शुरू किया है। हमारी कोशिश है कि इससे संबंधित विभिन्न आयामों को केंद्र में रखते हुए विस्तृत शोध कार्य को जल्द से जल्द आरंभ किया जाए। ब्यूरो

'कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अग्रसर'

■ कुलपति बोले- प्रस्ताव को दिया जा रहा है अंतिम रूप

■ विश्वविद्यालय शोधार्थी नीरज आर्य के शोधपत्र पर भी जताई खुशी

महेंद्रगढ़, 31 दिसम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कामधेनु शोध पीठ की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण रही है।

स्वदेशी नस्ल की गायों के कृषि, स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के विषय में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्तर पर विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है और हाल ही में पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र भी विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा अमरीकी जर्नल में प्रकाशित हुआ है, जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेषज्ञता के स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

प्रो. कुहाड़ की फाइल फोटो।

कुलपति ने कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय में कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के बाद राष्ट्रीय कामधेनु आयोग, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि कामधेनु शोध पीठ का उद्देश्य मानवता के लिए गाय के महत्व पर केंद्रित होगा और हमारा प्रयास होगा कि हम इस पीठ के माध्यम से युवा पीढ़ी को मानव जीवन में विभिन्न स्तरों पर वैज्ञानिक रूप से गाय के उपयोग व उसकी महत्ता से अवगत कराएं। प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि स्वदेशी गायों और हमारी शिक्षा प्रणाली से संबंधित विज्ञान को सामने लाने में यह पीठ महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि चूंकि विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक आचार्य डा. अजय पाल के निर्देशन में शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा इस दिशा में कार्य शुरू किया गया है तो हमारी कोशिश है कि इससे संबंधित विभिन्न आयामों को केंद्र में रखते हुए विस्तृत शोध कार्य को जल्द से जल्द आरम्भ किया जाए।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri,01 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

1 Jan 2021

गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्त्वपूर्ण : कुहाड़

कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अग्रसर

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कामधेनु शोध पीठ की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्त्वपूर्ण रही है स्वदेशी नस्ल की गायों के कृषि, स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के विषय में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्तर पर विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है और हाल ही में पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र भी विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेषज्ञता के स्तर पर शोध की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं।

खास बातें

- पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र भी विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुआ
- युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता

विश्वविद्यालय शोधार्थी नीरज आर्य के शोधपत्र पर जताई खुशी

कामधेनु शोध पीठ का उद्देश्य मानवता के लिए गाय के महत्त्व पर केंद्रित होगा

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली। फोटो: हरिभूमि

कुलपति ने कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय में कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के बाद राष्ट्रीय कामधेनु आयोग, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कामधेनु शोध पीठ का उद्देश्य मानवता के लिए गाय के महत्त्व पर केंद्रित होगा और हमारा प्रयास होगा कि हम इस पीठ के माध्यम से युवा पीढ़ी को मानव जीवन में विभिन्न स्तरों पर वैज्ञानिक रूप से गाय के उपयोग व उसकी महत्ता से अवगत कराएं। उन्होंने कहना कि स्वदेशी गायों और हमारी शिक्षा प्रणाली से संबंधित विज्ञान को सामने लाने में यह पीठ महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि चूंकि विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक आचार्य डा. अजय पाल के निर्देशन में शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा इस दिशा में कार्य शुरू किया गया है तो हमारी कोशिश है कि इससे संबंधित विभिन्न आयामों को केंद्र में रखते हुए विस्तृत शोध कार्य को जल्द से जल्द आरम्भ किया जाए।

कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अग्रसर

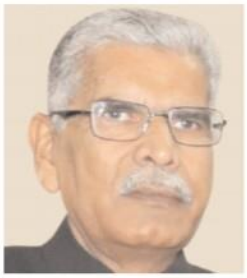

नई दिल्ली (वि.)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कामधेनु शोध पीठ की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्त्वपूर्ण रही है स्वदेशी नस्ल की गायों के कृषि, स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के विषय में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्तर पर विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है और हाल ही में पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र भी विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेषज्ञता के स्तर पर शोध की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। कुलपति ने कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय में कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

कामधेनु शोध पीठ स्थापित करने की दिशा में हकेंवि अग्रसर

महेंद्रगढ़ | केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कामधेनु शोध पीठ की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि गाय की भूमिका भारतीय संस्कृति में महत्त्वपूर्ण रही है। इस विषय में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है। शैक्षणिक स्तर पर विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। हाल ही में पंचगव्य के उपयोग पर केंद्रित एक शोधपत्र भी विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य द्वारा अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेषज्ञता के स्तर पर शोध की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं।

चुनौती ने बनाया टेक्नोसेवी, कैंप ऑफिस बना वॉर कांफ्रेंस रूम

सुरेंद्र दलाल

महेंद्रगढ़। कोरोना से पहले मोबाइल का उपयोग केवल कॉल के लिए करने वाले कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को देश भर के कॉलेजों, यूनिवर्सिटी के लिए शैक्षणिक कैलेंडर, परीक्षाओं के संचालन के लिए महज 30 दिन में रिपोर्ट की चुनौती मिली।

महेंद्रगढ़ हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़

कोरोना में सब कुछ लॉक होने के चलते देश भर के शिक्षण संस्थानों के कुलपति, निदेशकों से बातचीत कर उनका फीडबैक लेना मुसीबत था। इसके अलावा छात्र संगठनों की राय लेनी भी थी। ऐसे में कुलपति आरसी कुहाड़ ने अपने कार्यालय को वार कान्फ्रेंस रूम में बदला। रोजाना 16 से 17 घंटे टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। व्हाट्सएप, ईमेल, इंस्टाग्राम, जूम, गूगल मीट, फेसबुक ,वेबिनार, वीडियो कांफ्रेंस से करीब एक हजार से अधिक लोगों से मंथन के बाद एक महीने में फाइनल रिपोर्ट सौंप दी।

एक हजार लोगों से फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करना था चुनौती, रोजाना 18 घंटे ऑनलाइन रहे

यूजीसी ने अप्रैल में देश भर के कॉलेज, यूनिवर्सिटी सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को कोरोना में बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया। प्रोफेसर कुहाड़ ने बताया कि कम से कम समय में इन लोगों से संपर्क करने के लिए टेक्नोलॉजी को हथियार के तौर पर अपनाया। उन्होंने बताया कि वह अपने दैनिक जीवन में मोबाइल को केवल इमरजेंसी कॉल के लिए उपयोग करते थे। कार्यालय या घर पर लैंड लाइन का उपयोग करते थे। रिपोर्ट तैयार करने के लिए उन्होंने अपने कार्यालय को वार रूम बनाते हुए कांफ्रेंस रूम में तब्दील किया।

कई बार तो खाना खाते समय भी वीडियो कांफ्रेंस में रहना पड़ता था। एक हजार से अधिक लोगों के सुझाव फीडबैक को पढ़ना, उनका कंकरीट निकालना, उसे कंपाइल करना बेहद चुनौती भरा था। आरसी कुहाड़ की अध्यक्षता में बनी कमेटी में 6 सदस्य थे। कमेटी चेयरमैन आरसी कुहाड़ ने 5 नए सदस्य शामिल किए।

कमेटी ने 30 दिन के तय समय में अपनी रिपोर्ट दी। परीक्षा और अकादमिक कैलेंडर पर यूजीसी कमेटी की इस रिपोर्ट को केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' की उपस्थिति में जारी किया गया। यूजीसी ने देश भर के संस्थानों ने लागू किया। इस रिपोर्ट के आधार पर अपनी अगली एकेडमिक योजनाएं बनाई।

वर्चुअल क्लॉसरूम से लेकर एग्जाम तक का सफर...

कुलपति कुहाड़ ने बताया कि कोरोना के बाद अब तक करीब 200 वेबिनार यूनिवर्सिटी करा चुकी हैं। अधिकतर वेबिनार में उनकी शिरकत रहीं। हकेंवि ने सबसे पहले मई में अपनी ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कीं थी। अब तक ऑनलाइन माध्यम से 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा किया जा चुका है। ऑनलाइन एग्जाम, दाखिला, काउंसिलिंग करा चुके हैं। यूनिवर्सिटी के टीचर्स के 250 से अधिक ऑनलाइन लेक्चर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। पीएचड़ी के वाइवा भी वर्चुअल तरीके से पूरे किए गए।

10-12वीं परीक्षा कार्यक्रम का एलान 2 फरवरी को

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के कार्यक्रम का एलान 2 फरवरी को करेगा। उन्होंने सीबीएसई स्कूलों में नई शिक्षा नीति को लागू करने पर प्रिंसिपलों के साथ आयोजित वेबिनार में यह जानकारी दी। सीबीएसई अपने अधिकारिक वेबसाइट पर डेटशीट अपलोड करेगा।

निशंक ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सीबीएसई के स्कूलों में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। छात्रों को अपनी मातृभाषा में आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की आजादी होगी। छात्रों में बोर्ड परीक्षा का तनाव दूर करने के लिए योग्यता आधारित प्रश्नों की संख्या बढ़ेगी। इससे उनमें रट्टा लगाकर पढ़ाई की आदत भी दूर होगी। बोर्ड परीक्षा के छात्रों को इंप्रूवमेंट परीक्षा की सुविधा भी मिलेगी। यदि

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, सीबीएसई अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर करेगा अपलोड

किसी छात्र को अपने अंक कम लगते हैं तो वे दोबारा परीक्षा दे पाएंगे। नई शिक्षा नीति के तहत छठीं कक्षा से वोकेशनल ट्रेनिंग भी मिलनी शुरू हो जाएगी। मार्केट डिमांड के आधार पर छात्र अपने कौशल का विकास कर पाएंगे। देश में इस नीति के चलते स्कूली शिक्षा में सबसे बड़ा बदलाव दिखेगा। स्कूली शिक्षा में सुधार की शुरुआत होने जा रही है।

इससे पहले निशंक 31 दिसंबर को बोर्ड परीक्षा की डेट की पहले ही घोषणा कर चुके हैं। इसके तहत 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा 4 मई से शुरू होकर 10 जून तक चलेंगी और दोनों कक्षाओं के परिणाम 15 जुलाई 2021 तक घोषित कर दिए जाएंगे। हर साल बोर्ड परीक्षाएं आम तौर पर फरवरी-मार्च में शुरू होती हैं और मई में नतीजा आ जाता था लेकिन कोरोना चलते इसमें इस बार देरी हो रही है।

45 सालों का रिकार्ड ऑनलाइन होगा

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सीबीएसई अपने छात्रों के 1975 से अब तक 45 साल के रिकॉर्ड को डिजिटल या ऑनलाइन करने जा रहा है। इससे देश के किसी भी कोने में बैठा छात्र नजदीकी बोर्ड कार्यालय में जाकर जानकारी जुटा सकता है। उसे मुख्यालय या बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'भारतीय संविधान की चेतना की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्यः प्रो. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 27 जनवरी (परमजीत/मोहन): भारत का 72वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 3 स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात नए प्रशासनिक खंड के सामने कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान के साथ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस मौके पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और भारत की लोकतान्त्रिक परम्परा को याद किया। कुलपति ने इस मौके पर

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण करते हकेंवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़। (मोहन)

भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाष चंद्र बोस व डा. भीमराव अम्बेदकर आदि के योगदान का स्मरण किया।

प्रो. कुहाड़ ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन दिन राष्ट्रीय गौरव का दिन है और इसे वीर सैनिकों के बलिदान को याद करते हुए मनाना चाहिए। कुलपति ने कहा कि भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था लेकिन अंग्रेजों द्वारा बनाए गए भारत सरकार अधिनियम 1935 से हम 26 जनवरी, 1950 को स्वतंत्र हुए। इसी दिन हम पूर्णतः गणतंत्र बने और प्रजातंत्र जीवित व जागृत हुआ।

कुलपति ने इस अवसर पर संविधान निर्माताओं द्वारा राष्ट्र की गौरवमयी परम्पराओं को दिए गए महत्व पर भी प्रकाश डाला और अशोक चिन्ह से लेकर संविधान में कमल के फूल, नन्दी के चित्र, पुष्पक विमान, महर्षि गौतम, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, महाराजा विक्रमादित्य, तक्षशिला विश्वविद्यालय, भगवान नटराज का चित्र, भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लाते हुए, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, महारानी लक्ष्मी बाई, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की दांडी यात्रा का वर्णन व नेताजी सुभाष चंद्र बोस को तिरंगे को नमन करते हुए दिखाया गया है।

विश्वविद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने गीत-संगीत व नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय के माहौल को देशभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में परिसर में पौधारोपण भी किया गया, जिसमें कुलपति सहित अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu,28 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 3

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

28 Jan 2021

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीसी। फोटो : हरिभूमि

72वें गणतंत्र दिवस पर हकेंवि में हुए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

72वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को

भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाष चंद्र बोस व डा. भीमराव अम्बेडकर आदि के योगदान का स्मरण किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन उप छात्र

प्रो . कुहाड़ ने शहीदों को किया नमन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत का 72वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात नए प्रशासनिक खंड के सामने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर उन्होंने भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाष चंद्र बोस व डा. भीमराव अंबेडकर आदि के योगदान का स्मरण किया।

कुलपति ने कहा कि भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ था, लेकिन अंग्रेजों द्वारा बनाए गए भारत सरकार अधिनियम 1935 से हम 26 जनवरी, 1950 को स्वतंत्र हुए। इसी दिन हम पूर्णतः गणतंत्र बने और प्रजातंत्र जीवित व जागृत हुआ। कुलपति ने इस अवसर पर संविधान निर्माताओं द्वारा राष्ट्र की गौरवमयी परम्पराओं को दिए गए महत्व पर भी प्रकाश डाला ।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में तिरंगा फहराते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● सौ. हकेंवि

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर भी प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, अनुसंधान, संसाधनों के विकास, ई-लर्निंग, अनुदान अर्जित करने और आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, यूनिवर्सिटी डेवलपमेंट फंड स्थापित करना, दिव्यांजन के लिए सुविधा संसाधनों का विकास, परीक्षा सुधार लागू करना, सेंटर फार अकेडमिक आडिट, टेक्नोलाजी स्टाक, एक्सचेंज, सेंटर फार पालिसी एंड माडलिंग और सेंटर फार सोशल आउटरीच एंड मैनेजमेंट की अवधारणा भी प्रस्तुत की। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने गीत-संगीत व नृत्य के माध्यम से विश्वविद्यालय के माहौल को देशभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनन्द ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में डा. स्वाति व डा. रणवीर सिंह, डा. मोनिका, डा. अजयपाल, नरेश कुमार, राजेश, शंकर ने अहम योगदान दिया।

कार्यक्रम • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

संविधान की चेतना की सुरक्षा सभी का कर्त्तव्यः कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की चेतना की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है।

इस मौके पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षकों व कर्मचारियों ने गीत-संगीत व नृत्य प्रस्तुत किए। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा ने ज्ञापित किया। इस आयोजन में डॉ. स्वाति व डॉ. रणवीर सिंह ने गणतंत्र दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा डॉ. मोनिका, डॉ. अजयपाल, नरेश कुमार, राजेश जांगड़ा, शंकर भारद्वाज ने गीत-संगीत व काव्य के माध्यम से समा बांधा। आयोजन शिक्षा पीठ के डॉ. नीतिन ने अपने नृत्य के माध्यम से सभी को आकर्षित किया।

गणतंत्र कुलपति प्रो. कुहाड़ ने अगले 5 साल के लिए परिकल्पना से अवगत कराया

हकेंवि के कुलपति ने शहीदों को किया नमन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में कोरोना नियमों का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस समारोह में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर शहीद सैनिकों को नमन किया। नए प्रशासनिक खंड के सामने ध्वज फहराया।

प्रो. कुहाड़ ने स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव आंबेडकर आदि महान पुरुषों के योगदान का स्मरण करते हुए संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस को वीर सैनिकों के बलिदान को याद करते हुए मनाना अग्रसर है। चाहिए। देश आज तरक्की के पथ पर

विद्या वीरता स्थल पर शहीदों को नमन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

कुलपति ने शैक्षणिक, अनुसंधान, संसाधनों के विकास, ई-लर्निंग, अनुदान अर्जित करने और आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की जानकारी दी। अगले पांच वर्षों के लिए निर्धारित रोडमेप भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम से विश्वविद्यालय के माहौल देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। इस मौके पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. स्वाति, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. अजयपाल, नरेश कुमार, राजेश जांगड़ा, शंकर भारद्वाज, डॉ. नीतिन मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

नई शिक्षा नीति पर स्कूलों से चर्चा करेंगे निशंक

नई दिल्ली। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक के व्यापक दायरे को शामिल किया गया है। ऐसे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक 28 जनवरी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सीबीएसई सहोदय स्कूल परिसरों के अध्यक्षों एवं सचिवों के साथ चर्चा करेंगे। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से होने वाली इस चर्चा में पाठ्यक्रम और स्कूल की प्रक्रियाओं में शामिल किए जाने वाले परिवर्तनों को लेकर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में 1000 से अधिक सीबीएसई स्कूल प्रमुखों के भाग लेने की उम्मीद है। सीबीएसई के अनुसार, शिक्षा नीति का का उद्देश्य शिक्षा को सुलभ, न्यायसंगत और समावेशी बनाना है। यह तभी संभव है जब इसे सभी स्तरों पर चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। नई शिक्षा नीति में व्यापक दायरे को शामिल किया गया है। ब्यूरो

भारतीय संविधान की चेतना की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :भारत का 72वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात नए प्रशासनिक खंड के सामने कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान के साथ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस मौके पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियो, विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और भारत की लोकतान्त्रिक परम्परा को याद किया। कुलपति ने इस मौके पर भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गाँधी, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाष चंद्र बोस व डॉ. भीमराव अम्बेडकर आदि के योगदान का स्मरण किया। प्रो. कुहाड़ ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन दिन राष्ट्रीय गौरव का दिन है और इसे वीर सैनिकों के बलिदान को याद करते हुए मनाना चाहिए। देश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और देश की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले बहादुर सैनिकों के कारण हम स्वतंत्र व गणतंत्र भारत में सुख शांति से जीवन जी पा रहे हैं। देश आज तरक्की के पथ पर अग्रसर है और इसका परिणाम है कि विश्व पटल पर आज भारत की उपस्थिति को सभी स्वीकार करते हैं। कुलपति ने कहा कि भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था लेकिन अंग्रेजों द्वारा बनाए गए भारत सरकार अधिनियम 1935 से हम 26 जनवरी, 1950 को स्वतंत्र हुए। इसी दिन हम पूर्णतः गणतंत्र बने और प्रजातंत्र जीवित व जागृत हुआ। कुलपति ने इस अवसर पर संविधान निर्माताओं द्वारा राष्ट्र की गौरवमयी परम्पराओं को दिए गए महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और अशोक चिह्न से लेकर संविधान में कमल के फूल, नन्दी के चित्र, पुष्पक विमान, महर्षि गौतम, महात्मा बुद्ध, महावीर सवामी, महाराजा विक्रमादित्य, तक्षशिला विश्वविद्यालय, भगवान नटराज का चित्र, भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लाते हुए, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, महारानी लक्ष्मी बाई, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की दांडी यात्रा का वर्णन व नेताजी सुभाष चंद्र बोस को तिरंगे को नमन करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि शब्दों की तरह ये चित्र भी संविधान की महत्ता को स्पष्ट करते हैं और देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करते हैं।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जल्द रोपे जाएंगे अमल के बीज

चिह्नित किए गए ज्यादातर टास्क पर इसी साल से ही शुरू होना है काम

तीन सौ से ज्यादा टास्क तय, नए पाठ्यक्रम से स्कूलों में एआइ, कोडिंग को लागू करने की योजना पर भी होगा काम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल का फिलहाल जो रोडमैप तैयार किया गया है, उनमें ज्यादातर टास्क पर इसी साल से काम शुरू होगा। ऐसे में नीति के अमल के लिहाज से यह साल काफी अहम होगा। इसमें स्कूलों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने से लेकर कोडिंग और आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) जैसी नई विद्याओं को सिखाने की योजना पर भी काम होगा। फिलहाल सरकार ने जो योजना बनाई है, उसके तहत वर्ष 2022 के नए शैक्षणिक सत्र से स्कूली बच्चों की पढ़ाई नए पाठ्यक्रम के तहत तैयार किताबों से होगी। ऐसे में पाठ्यक्रम को तैयार करने का काम भी इसी साल होगा।

नीति के अमल से जुड़ी उच्च स्तरीय कमेटी ने इसे लेकर जो रोडमैप तैयार किया है, उसमें तीन सौ से ज्यादा टास्कों को चिन्हित किया गया है। इनमें से करीब 80 फीसद टास्क पर इसी साल से काम शुरू होगा। इसके लिए सभी की जिम्मेदारी व समयसीमा दोनों ही तय कर दी गई हैं। हालांकि इसके अमल में सरकार की सबसे बड़ी चिंता स्कूली शिक्षा को लेकर है, क्योंकि इसका पूरा जिम्मा राज्यों के पास ही है। ऐसे में राज्यों के साथ मिलकर नीति के प्रभावी अमल को लेकर लगातार बैठकें चल रही हैं। आने वाले बजट में भी इसकी झलक दिखेगी। इसमें राज्यों से नीति के मुताबिक ही आगे की योजनाओं को तैयार करने पर जोर दिया गया है।

इस बीच, नए स्कूली पाठ्यक्रम को तैयार करने में जुटी एनसीईआरटी ने कैरीकुलम फ्रेमवर्क को तैयार करने का काम लगभग पूरा कर लिया है। इसके बाद पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को लेकर कमेटियों का गठन होगा। यह कमेटियां ही मौजूदा स्कूली पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के साथ इसे नए पाठ्यक्रम से जोड़ने या फिर हटाई जाने वाली विषय वस्तु के संबंध में सिफारिश देंगी। इसके बाद इसे लेकर कोई फैसला होगा। बता दें कि हाल ही में शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति ने भी एनसीईआरटी के मौजूदा पाठ्यक्रम की समीक्षा करने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा में भी नीति के अमल पर काम शुरू हो गया है। इनमें क्रेडिट बैंक, नए शिक्षकों के प्रशिक्षण को अनिवार्य करने जैसी नीति की सिफारिश को इसी साल से लागू करने की योजना बना ली गई है। हाल ही में यूजीसी ने इसे लेकर पूरा मसौदा भी जारी किया है। अब अगला कदम उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक रेगुलेशन अथारिटी बनाने का है, उस पर भी इसी साल फैसला होना है।

'राष्ट्र की प्रगति व विकास के लिए जागरूक मतदाता महत्वपूर्ण: प्रो. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 25 जनवरी (परमजीत/मोहन): भारत एक विशाल गणतांत्रिक देश है और इस समृद्धि के पथ पर आगे ले जाने तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों व कर्त्तव्यों का सही क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक इस प्रयास में सक्रिय भागीदारी निभाए। मतदान महादान है और मतदान कर हम न केवल राष्ट्र के चतुर्दिक विकास में योगदान देते हैं बल्कि उसकी प्रगति में भी सांझेदार बनते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के लिए ऑनलाइन संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता का संकल्प भी दिलाया।

कुलपति ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का मत महत्वपूर्ण होता है और एक-एक मत से सरकार गठित होती है जोकि राष्ट्र की प्रगति व विकास को सुनिश्चित करती है इसलिए हमें न सिर्फ मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए बल्कि अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक बनाना चाहिए।

इस अवसर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्व से अवगत कराते हुए इस दिशा में अपने स्तर पर विशेष जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनन्द शर्मा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए क्योंकि हमारा वोट ही देश के भविष्य की नींव रखता है।

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. दिनेश चहल ने कहा कि यदि आप भारत राष्ट्र का चतुर्दिक विकास चाहते हैं तो मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. के माध्यम से हमारी कोशिश है कि विभिन्न स्तरों पर मतदाता जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखा जाए और आमजन को मतदान के महत्व से अवगत कराया जाए।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue,26 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 3

राष्ट्र की प्रगति व विकास के लिए जागरूक मतदाता महत्त्वपूर्ण- प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नागरिकों को कर्त्तव्यों से कराया अवगत

विद्यार्थियों, शोधार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों को संकल्प के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी के लिए किया प्रेरित

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया) भारत एक विशाल गणतांत्रिक देश है और इस समृद्धि के पथ पर आगे ले जाने तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों व कर्त्तव्यों का सही क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक इस प्रयास में सक्रिय भागीदारी निभाए। भारतीय गणतंत्र को समृद्ध और प्रभावशाली बनाने के लिए जरूरी है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की अहम भूमिका सुनिश्चित हो। मतदान महादान है और मतदान कर हम न केवल राष्ट्र के चतुर्दिक विकास में योगदान देते हैं बल्कि उसकी प्रगति में भी साझेदार बनते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के लिए ऑनलाइन संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता का संकल्प भी दिलाया।

कुलपति ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विशिष्ट संदेश के माध्यम से कहा कि प्रत्येक नागरिक का मत महत्त्वपूर्ण होता है और एक-एक मत से सरकार गठित होती है जो कि राष्ट्र की प्रगति व विकास को सुनिश्चित करती है इसलिए हमें न सिर्फ मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए बल्कि अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक बनाना चाहिए। इस अवसर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्त्व से अवगत कराते हुए इस दिशा में अपने स्तर पर विशेष जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए क्योंकि हमारा वोट ही देश के भविष्य की नींव रखता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि यदि आप भारत राष्ट्र का चतुर्दिक विकास चाहते हैं तो मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से हमारी कोशिश है कि विभिन्न स्तरों पर मतदाता जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखा जाए और आमजन को मतदान के महत्त्व से अवगत कराया जाए।

राष्ट्र की प्रगति व विकास के लिए जागरूक मतदाता महत्त्वपूर्ण- प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़

-राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नागरिकों को कर्तव्यों से कराया अवगत

रणघोष अपडेट » रेवाड़ी से

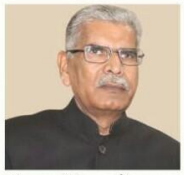

भारत एक विशाल गणतांत्रिक देश है और इस समृद्धि के पथ पर आगे ले जाने तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों व कर्त्तव्यों का सही क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक इस प्रयास में सक्रिय भागीदारी निभाए। भारतीय गणतंत्र को समृद्ध और प्रभावशाली बनाने के लिए जरूरी है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की अहम भूमिका सुनिश्चित हो। मतदान महादान है और मतदान कर हम न केवल राष्ट्र के चतुर्दिक विकास में योगदान देते हैं बल्कि उसकी प्रगति में भी साझेदार बनते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के लिए ऑनलाइन संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता का संकल्प भी दिलाया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्त्व से अवगत कराते हुए इस दिशा में अपने स्तर पर विशेष जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए क्योंकि हमारा वोट ही देश के भविष्य की नींव रखता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि यदि आप भारत राष्ट्र का चतुर्दिक विकास चाहते हैं तो मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से हमारी कोशिश है कि विभिन्न स्तरों पर मतदाता जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखा जाए और आमजन को मतदान के महत्त्व से अवगत कराया जाए।

राष्ट्र की प्रगति व विकास को जागरूक मतदाता महत्वपूर्णः प्रो. आर.सी. कुहाड़

विद्यार्थियों, शोधार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी को किया प्रेरित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

भारत एक विशाल गणतांत्रिक देश है और इस समृद्धि के पथ पर आगे ले जाने तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों व कर्तव्यों का सही क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक इस प्रयास में सक्रिय भागीदारी निभाए। भारतीय गणतंत्र को समृद्ध और प्रभावशाली बनाने के लिए जरूरी है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की अहम भूमिका सुनिश्चित हो। मतदान महादान है और मतदान कर हम न केवल राष्ट्र के

चतुर्दिक विकास में योगदान देते हैं बल्कि उसकी प्रगति में भी साझेदार बनते हैं। यह विचार हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के लिए ऑनलाइन संदेश से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता का संकल्प दिलाया। कुलपति ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विशिष्ट संदेश के माध्यम से कहा कि प्रत्येक नागरिक का मत महत्वपूर्ण होता है और एक-एक मत से सरकार गठित होती है जो कि राष्ट्र की प्रगति व विकास को सुनिश्चित करती है इसलिए हमें न सिर्फ मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए बल्कि अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक बनाना चाहिए। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्त्व से अवगत कराते हुए इस दिशा में अपने स्तर पर विशेष जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए क्योंकि हमारा वोट ही देश के भविष्य की नींव रखता है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि यदि आप भारत राष्ट्र का चतुर्दिक विकास चाहते हैं तो मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से हमारी कोशिश है कि विभिन्न स्तरों पर मतदाता जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखा जाए और आमजन को मतदान के महत्व के बारे में बताया।

छात्राओं को बताया मतदान का महत्व

महेंद्रगढ़ के महिला कॉलेज में मतदान करने की शपथ लेती छात्राएं।

महेंद्रगढ़| राजकीय महिला कॉलेज में सोमवार को मतदाता दिवस मनाया गया। इस दौरान छात्राओं ने मतदान करने के लिए शपथ भी ली। इस मौके पर संगीत संकाय के प्राध्यापक महेंद्र सिंह ने छात्राओं को अपना वोटर आईडी बनवाने के लिए जागरूक किया तथा उनको वोट के महत्व के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान छात्राओं को शपथ भी दिलवाई गई। जिसमें छात्राओं ने शपथ ली की महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी निर्भिक होकर धर्म, जाति, गर्व, समुदाय, भाषा व अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन केंद्रों में अपने मताधिकारी का प्रयोग करेंगे। इस मौके पर उपप्राचार्य संजय जोशी व एनएसएस प्रभारी सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मतदान लोकतंत्र की मुख्य धुरी : मुकेश चहल

महेंद्रगढ़| राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपप्राचार्य डॉ. सुधीर लांबा ने की। डॉ. मुकेश चहल ने बताया मतदान लोकतंत्र की मुख्य धुरी है। मतदान से हम अपने प्रतिनिधि चुनते हैं जो सरकार बनाते हैं। समाज को सही दिशा व दशा देने के लिए हर व्यक्ति जो मतदाता है, को मतदान अवश्य करना चाहिए इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने मतदान करने की शपथ ग्रहण की।

CUH PROF IS FELLOW OF NASI

Mahendragarh: Prof Neelam Sangwan, Head of the Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), has been elected as a fellow of the National Academy of Sciences, India, (NASI) for the year 2021. She is recognised for her outstanding contributions in the area of medicinal and aromatic plants. Her research is focused upon on the traditional ayurvedic plants such as ashwagnadha, brahmi, and tulsi to know about its natural drug products and how these are synthesised by plants.

The Tribune Mon, 25 January 2021 https://epaper.tribune

CUH HOLDS LECTURE ON BOSE

Rohtak: The Central University of Haryana (CUH) organised an online lecture over Netaji Subhash Chandra Bose on his birth anniversary. Pratap Singh Malik, an RSS leader, was the key speaker while Vice-Chancellor Prof RC Kuhad presided over the event. Malik said the contribution of Netaji and his Azad Hind Fauj could never be forgotten when it comes to India's struggle for independence. Through his might, he created such conditions that the British had to leave India, he said.

The Tribune Mon, 25 January 2021 https://epaper.tribuneind

हकेंवि अपने स्तर पर लागू करेगी राइट टू सर्विस एक्ट

सुरेंद्र दलाल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में अब फाइलें नहीं अटकेंगी। फाइलों के लिए कर्मचारी से लेकर कुलपति की टेबल तक का समय तय होगा। फाइल को लटकाने वालों से जवाब मांगा जाएगा। राइट टू सर्विस एक्ट के तहत यह सिस्टम काम करेगा। इसकी पूरी जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

किसी भी विद्यार्थी, कर्मचारी, आवेदक को किसी काम के लिए अब महीनों इंतजार नहीं करना होगा। अपने काम के लिए बार-बार चक्कर नहीं लगाने होंगे। उन्हें पता होगा कि कितने दिन में उनका काम होगा। अगर तय समय पर काम नहीं हुआ तो किस अधिकारी से मिलना है।

हकेंवि में राइट टू सर्विस एक्ट लागू किया जाएगा। विवि यह अपने स्तर पर शुरू करेगी। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ इसकी पूरी परिकल्पना तैयार कर चुके हैं। मार्च-अप्रैल माह से इसे यूनिवर्सिटी में लागू करने की योजना है। इस योजना में विवि में होने वाले कार्यों के लिए समय सीमा तय की जाएगी। फाइल किस टेबल पर अधिकतम कितने दिन रह सकती है। इसकी समय सीमा होगी। तय समय में कर्मचारी-अधिकारी को फाइल पर कोई न कोई कार्रवाई करनी होगी। इस तरह से हर एक अधिकारी का तय समय में सर्विस देनी होगी। वर्तमान में यूनिवर्सिटी में करीब 3000 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

कुलपति कार्यालय का समय भी होगा तय

इस सिस्टम में यूनिवर्सिटी के शीर्ष कुलपति कार्यालय का समय भी तय करने का फैसला लिया है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि शीर्ष के अधिकारी समय पर काम करेंगे तो अपने से कनिष्ठ को नैतिकता के आधार पर भी प्रेरित करेंगे। कर्मचारियों, अधिकारियों को समय पर काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

वेबसाइट पर होगी जानकारी

इस पूरी कार्ययोजना को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। कोई भी व्यक्ति किसी काम में अधिकतम लगने वाले समय की जानकारी पहले से ही प्राप्त कर सकेगा। यूनिवर्सिटी परिसर में कुछ चुनिंदा स्थानों पर भी इसे प्रदर्शित किया जाएगा।

कई बार देखने में आया कि एक टेबल पर फाइल महीनों तक अटका दी जाती है। ऐसी व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए हर एक कर्मचारी-अधिकारी का समय तय करने का फैसला लिया गया है। इसे कुलपति कार्यालय पर भी लागू किया जाएगा। यूनिवर्सिटी की कार्य प्रणाली को अधिक बेहतर, अधिक पारदर्शी बनाने के लिए यह फैसला लिया है। इसका प्रारूप अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे लागू करेंगे। **-प्रो. आरसी कुहाड़, कुलपति, हकेंवि, महेंद्रगढ़।**

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
24 Jan 2021

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि द्वारा आयोजित आनलाइन कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता।

नेताजी के नाम पर होगा भवन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर शनिवार को पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की और इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह हरियाणा प्रांत प्रताप सिंह मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने पराक्रम दिवस पर घोषणा कि विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक भवन नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से पहचाना जाएगा, साथ ही विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने की घोषणा भी कुलपति ने की।

नेताजी के नाम से हकेंवि का नया प्रशासनिक भवन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर शनिवार को पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की और इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह, हरियाणा प्रांत प्रताप सिंह मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पराक्रम दिवस पर घोषणा कि विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक भवन नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से पहचाना जाएगा, साथ ही विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने की घोषणा भी कुलपति ने की। मुख्य वक्ता प्रताप सिंह मलिक ने कहा कि भारत की आजादी की जब हम बात करते है उस समय नेताजी और उनकी आजाद हिंद फ़ौज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रताप सिंह मलिक ने कहा कि भारत आज अगर स्वाधीन है तो उसमें नेताजी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि आज के अवसर पर नेताजी के जीवन से जुड़ा बेहद ओजस्वी वक्तव्य प्रताप मलिक ने प्रस्तुत किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से पहचाना जाएगा हकेंवि का नया प्रशासनिक भवन

विवि के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम अब पंडित दीनदयाल उपाध्याय

आजादी की लड़ाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान अविस्मरणीय: प्रो. आरसी कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह, हरियाणा प्रान्त प्रताप सिंह मलिक उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने पराक्रम दिवस पर घोषणा कि विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक भवन नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से पहचाना जाएगा, साथ ही विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रताप सिंह मलिक ने कहा कि भारत की आजादी की जब हम बात करते है उस समय नेताजी और उनकी आजाद हिन्द फौज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रताप सिंह मलिक ने युवाओं को नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने और देश सेवा के लिए तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि आज के अवसर पर नेताजी के जीवन से जुड़ा बेहद ओजस्वी वक्तव्य श्री प्रताप मलिक ने प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रताप मलिक द्वारा दी गई जानकारी को बेहद उपयोगी बताते हुए कहा कि हर देशवासी को नेताजी को करीब से जानना चाहिए। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के त्याग, साहस, बलिदान और भारत की आजादी की लड़ाई में योगदान को याद किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का आरंभ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ व विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका मलिक ने स्वरचित कविता प्रस्तुत की। राजनीति विज्ञान विभाग के सह-आचार्य डॉ. रमेश कुमार ने कविता के माध्यम से नेताजी के पराक्रम पर प्रकाश डाला। छात्र आदित्य ने भी कविता के माध्यम से नेताजी के योगदान को स्मरण किया।

आजादी की लड़ाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान अविस्मरणीय: प्रो. आरसी कुहाड़

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर शनिवार को पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की और इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह, हरियाणा प्रांत प्रताप सिंह मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पराक्रम दिवस पर घोषणा कि विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक भवन नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से पहचाना जाएगा, साथ ही विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने की घोषणा भी कुलपति ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रताप सिंह मलिक ने नेताजी और उनके पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि भारत की आजादी की जब हम बात करते है उस समय नेताजी और उनकी आजाद हिन्द फ़ौज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने अपने शौर्य और पराक्रम से वो परिस्थितियां पैदा कर दी कि अंग्रेजों को भारत छोड़कर भागना पड़ा। प्रताप सिंह मलिक ने इस अवसर पर 21 अक्तूबर 1943 को बनी आजाद हिन्द सरकार के गठन और 30 दिसंबर 1943 को अंडमान निकोबार द्वीप समूह के अंग्रेजों से आजादी का भी विस्तार से उल्लेख किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा ने किया तथा आभार ज्ञापन योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजयपाल ने प्रस्तुत किया।

'हकेंवि की प्रो. नीलम सांगवान नैशनल एकैडमी ऑफ साइंसिज फैलो के लिए चयनित'

महेंद्रगढ़, 22 जनवरी (परमजीत/ मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित नैशनल एकैडमी ऑफ साइंसिज, इंडिया (एन.ए.एस.आई.) का फैलो चुना गया है। प्रो. सांगवान को यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है। इन विषयों पर आधारित उनके कई पेपर अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशन में प्रकाशित हो चुके हैं और इन पौधों पर शोध के आधार पर पेटैंट भी प्राप्त किया है।

प्रो. नीलम सांगवान की फाइल फोटो।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ (पूर्व फैलो, नैशनल एकैडमी ऑफ साइंसिज, इंडिया) ने प्रो. नीलम सांगवान की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उनका शोध अश्वगंधा, ब्राह्मी, और तुलसी जैसे पारम्परिक पौधों पर केंद्रित है। औषधीय पौधों से प्राकृतिक मैटाबोलिट्स से बायोएक्टिव उत्पादन होता है जो कई औषधीय/हर्बल तैयारी द्वारा उनके चिकित्सीय प्रभावों के लिए अत्यधिक वांछित है। उन्होंने कहा कि उनका शोध का उद्देश्य एन.जी.एस., कार्यात्मक जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकीय सुधार और मैटाबोलिट्स इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर और उच्च औषधीय और सुगंध सामग्री वाले पौधों को बेहतर बनाने में सहायक है।

बता दें कि अनुसंधान के साथ-साथ प्रो. नीलम सांगवान विभिन्न अकादमियों के सोशल आऊटरीच कार्यक्रमों, जो विज्ञान के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के लिए उपयोगी, के साथ भी जुड़ी हुई हैं। उन्हें पहले भी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों द्वारा पुरस्कार और उपलब्धियों से सम्मानित किया जा चुका है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,23 January 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नीलम सांगवान नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज फेलो के लिए चयनित

प्रदीप बालरोडिया(एनसीआर हरियाणा)

महेंद्रगढ़,हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआई) का फेलो चुना गया है। प्रो. सांगवान को यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है। इन विषयों पर आधारित उनके कई पेपर अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशन में प्रकाशित हो चुके हैं और इन पौधों पर शोध के आधार पर पेटेंट भी प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ (पूर्व फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया) ने प्रो. नीलम सांगवान की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उनका शोध अश्वगंधा, ब्राह्मी, और तुलसी जैसे पारम्परिक पौधों पर केंद्रित है। औषधीय पौधों से प्राकृतिक मेटाबोलिट्स से बायोएक्टिव उत्पादन होता है जो कई औषधीय/हर्बल तैयारी द्वारा उनके चिकित्सीय प्रभावों के लिए अत्यधिक वांछित है। उन्होंने कहा कि उनका शोध का

उद्देश्य एनजीएस, कार्यात्मक जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकीय सुधार और मेटाबोलिट्स इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर और उच्च औषधीय और सुगंध सामग्री वाले पौधों को बेहतर बनाने में सहायक है।

बता दें कि अनुसंधान के साथ-साथ प्रो. नीलम सांगवान विभिन्न अकादमियों के सोशल आउटरीच कार्यक्रमों, जो विज्ञान के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के लिए उपयोगी, के साथ भी जुड़ी हुई हैं। है। उन्हें पहले भी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों द्वारा पुरस्कार और उपलब्धियों से सम्मानित किया जा चुका है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत देश का सबसे पुराना विज्ञान अकादमी है, जिसकी स्थापना 1930 में प्रो. मेघनाद साहा (संस्थापक अध्यक्ष) के नेतृत्व में विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने की थी। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में से एक है, यह डीएसआईआर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।

स्कूल प्राध्यापक राजकुमार और जितेंद्र जोनी ने सभी अतिथियो का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में सुरेश कुमार ,विजय सिंह , सुनीता ,सरला , रामनिवास,निर्मला, पूनम,सतबीर सिंह,अनीता, विनोद कुमार आदि स्कूल स्टाफ सदस्य और विधार्थी उपस्थित थे

हरिभूमि
रोहतक - मुख्य संस्करण
23 Jan 2021

हकेंवि की प्रो. नीलम को मिलेगा पुरस्कार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया एनएएसआई का फेलो चुना गया है। प्रो. सांगवान को यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है।

नेट पास छात्र 31 दिसंबर तक कर सकेंगे मास्टर डिग्री

सहूलियत ▶ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जून, 2018 में नेट पास करने वालों को दी राहत

कोरोना के चलते तय अंकों के साथ नहीं कर पाए थे मास्टर डिग्री

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना संकट को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नेट (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) पास करने वाले छात्रों को बड़ी राहत दी है। इसके तहत अब वह अपनी मास्टर डिग्री दिसंबर, 2021 तक पूरी कर सकेंगे। यूजीसी ने यह राहत जून, 2018 में नेट पास करने वाले छात्रों को दी है जिन्हें इस परीक्षा को पास करने के दो साल के भीतर ही जरूरी अंकों के साथ मास्टर डिग्री हासिल करना जरूरी होता है, अन्यथा नेट में अयोग्य घोषित हो जाते हैं।

कोरोना संकट को देखते हुए इन छात्रों ने यूजीसी के सामने अपनी बात रखी और कहा कि संस्थानों के बंद रहने से वह मास्टर डिग्री समय पर पूरी नहीं कर पाए हैं। ऐसे में उन्हें इसके लिए और समय दिया जाए। यूजीसी के मुताबिक छात्रों की समस्याओं को समझते हुए यूजीसी ने उन्हें मास्टर डिग्री करने की समय-सीमा अब 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ा दी है।

कोरोना संकट को देखते हुए छात्रों की मांग पर यूजीसी ने किया फैसला। फाइल फोटो

गौरतलब है कि नेट के मौजूद पात्रता नियमों के तहत अभी वह सभी छात्र इनमें शामिल हो सकते हैं, जो मास्टर डिग्री कर चुके हैं, या फिर मास्टर डिग्री के लिए फाइनल परीक्षा में बैठने वाले हैं। हालांकि इनमें अंकों का एक तय मानक है। सामान्य वर्ग के लिए 55 फीसद अंक, जबकि अन्य वर्ग के लिए पचास फीसद होने चाहिए। ऐसे में मास्टर डिग्री की अंतिम वर्ष की परीक्षा देने वाला कोई छात्र नेट के लिए जरूरी अंक नहीं ला पाता है, उसे इसके लिए दो साल का समय दिया जाता है। फिलहाल जून, 2018 में नेट देने वाले ऐसे छात्रों की वह अवधि जून, 2020 में ही खत्म हो गई थी। लेकिन कोरोना के चलते वह अंकों में सुधार से जुड़ी परीक्षा नहीं दे सके थे।

कोरोना काल में परीक्षा नहीं दे पाए यूपीएससी अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगा अतिरिक्त मौका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ तीन सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट की पीठ को केंद्र सरकार ने दी जानकारी

कोरोना महामारी के कारण परीक्षा देने के आखिरी मौके से वंचित रह गए संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के कुछ अभ्यर्थियों को सिविल सेवा परीक्षा में बैठने का अतिरिक्त मौका नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी। कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लंबित है जिसमें मांग की गई है कि जो अभ्यर्थी कोरोना महामारी के चलते यूपीएससी प्रिलिम्स की परीक्षा नहीं दे पाए हैं और जिनका परीक्षा में बैठने का आखिरी मौका खत्म हो चुका है उन्हें एक और मौका दिया जाए। शुक्रवार को यह मामला न्यायमूर्ति एएम खानविल्कर की

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से शीर्ष अदालत को दी गई जानकारी। फाइल फोटो

अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया।

केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि उन्हें गुरुवार रात ही सरकार की ओर से निर्देश मिला है कि सरकार एक और मौका देने को राजी नहीं है। उन्होंने कहा कि कोर्ट उन्हें इस बारे में हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय दे। पीठ ने मामले की सुनवाई 25 जनवरी तक टालते हुए इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

बता दें कि अभी मौजूदा व्यवस्था में सामान्य वर्ग को सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के छह मौके मिलते हैं और 32 वर्ष तक परीक्षा दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 30 अप्रैल को यूपीएससी की चार अक्टूबर, 2020 को होने वाली परीक्षा कोरोना और देश के कई हिस्सों में बाढ़ के कारण टालने की मांग खारिज कर दी थी। हालांकि कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि जिनका 2020 में परीक्षा देने का आखिरी मौका है उन्हें एक और मौका देने पर विचार किया जाए।

प्रो. नीलम नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज फेलो के लिए चयनित

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव-रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआई) का फेलो चुना गया है। प्रो. सांगवान को यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है। इन विषयों पर आधारित उनके

कई पेपर अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशन में प्रकाशित हो चुके हैं और इन पौधों पर शोध के आधार पर पेटेंट भी प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्रो. नीलम सांगवान को बधाई दी। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उनका शोध अश्वगंधा, ब्राह्मी, और तुलसी के पौधों पर केंद्रित है। औषधीय पौधों से प्राकृतिक मेटाबोलिट्स से बायोएक्टिव उत्पादन होता है, जो कई औषधीय/हर्बल तैयारी द्वारा उनके चिकित्सीय प्रभावों के लिए अत्यधिक वांछित हैं। उन्होंने कहा कि उनके शोध का उद्देश्य एनजीएस, कार्यात्मक जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकीय सुधार और मेटाबोलिट्स इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर और उच्च औषधीय और सुगंध सामग्री वाले पौधों को बेहतर बनाने में सहायक है। बता दें कि अनुसंधान के साथ-साथ प्रो. नीलम सांगवान विभिन्न अकादमियों के सोशल आउटरीच कार्यक्रमों, जो विज्ञान के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के लिए उपयोगी, के साथ भी जुड़ी हुई हैं। है।

प्रो. नीलम एनएएसआइ फेलो के लिए चयनित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआइ) का फेलो चुना गया है। प्रो. सांगवान को यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है। इन विषयों पर आधारित उनके कई पेपर अंतरराष्ट्रीय पब्लिकेशन में प्रकाशित हो चुके हैं और इन पौधों पर शोध के आधार पर पेटेंट भी प्राप्त

प्रो. नीलम सांगवान • सौजन्य: हकेवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय• सौजन्य: विश्वविद्यालय

किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ (पूर्व फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया) ने प्रो. नीलम सांगवान की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उनका शोध अश्वगंधा, ब्राह्मी, और तुलसी जैसे पारंपरिक पौधों पर केंद्रित है। औषधीय पौधों से प्राकृतिक मेटाबोलिट्स से बायोएक्टिव उत्पादन होता है जो कई औषधीय व हर्बल तैयारी द्वारा उनके चिकित्सीय प्रभावों के लिए अत्यधिक जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि उनका शोध का उद्देश्य एनजीएस, कार्यात्मक जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकीय सुधार और मेटाबोलिट्स इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर और उच्च औषधीय और सुगंध सामग्री वाले पौधों को बेहतर बनाने में सहायक है। बता दें कि अनुसंधान के साथ-साथ प्रो. नीलम सांगवान विभिन्न अकादमियों के सोशल आउटरीच कार्यक्रमों के साथ भी जुड़ी हुई हैं। ये कार्यक्रम विज्ञान के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के लिए उपयोगी हैं। उन्हें पहले भी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों द्वारा पुरस्कार और उपलब्धियों से सम्मानित किया जा चुका है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत का सबसे पुराना विज्ञान अकादमी है, जिसकी स्थापना 1930 में प्रो. मेघनाद साहा (संस्थापक अध्यक्ष) के नेतृत्व में विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने की थी।

हकेंवि की प्रो. नीलम सांगवान को एनएएसएसआई का फेलो चुना

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआई) का फेलो चुना गया है। उनको यह उपलब्धि औषधीय एवं सुगंध के पौधों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हासिल हुई है। इन विषयों पर आधारित उनके कई पेपर अंतर्राष्ट्रीय पब्लिकेशन में प्रकाशित हो चुके हैं। इन पौधों पर शोध के आधार पर पेटेंट भी प्राप्त किया है।

प्रो. नीलम

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ (पूर्व फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया) ने प्रो. नीलम सांगवान की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उनका शोध अश्वगंधा, ब्राह्मी, और तुलसी जैसे पारंपरिक पौधों पर केंद्रित है। औषधीय पौधों से प्राकृतिक मेटाबोलिट्स से बॉयो एक्टिव उत्पादन होता है। जो कई औषधीय, हर्बल तैयारी द्वारा उनके चिकित्सीय प्रभावों के लिए अत्याधिक वांछित हैं। उन्होंने कहा कि उनका शोध का उद्देश्य एनजीएस, कार्यात्मक जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकीय सुधार और मेटाबोलिट्स इंजीनियरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर और उच्च औषधीय और सुगंध सामग्री वाले पौधों को बेहतर बनाने में सहायक है।

बता दें कि अनुसंधान के साथ-साथ प्रो. नीलम सांगवान विभिन्न अकादमियों के सोशल आउटरीच कार्यक्रमों, जो विज्ञान के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के लिए उपयोगी के साथ भी जुड़ी हुई हैं। उन्हें पहले भी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों द्वारा पुरस्कार और उपलब्धियों से सम्मानित किया जा चुका है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत देश का सबसे पुराना विज्ञान अकादमी है। जिसकी स्थापना 1930 में प्रो. मेघनाद साहा (संस्थापक अध्यक्ष) के नेतृत्व में विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने की थी। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में से एक है।

मिले-जुले तरीके से जारी रहेगी शिक्षा

केंद्रीय बजट 2021 में नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करवाने पर प्रावधान

सीमा शर्मा

नई दिल्ली। कोविड-19 के कारण शिक्षा में आया बदलाव आगे भी जारी रहेगा। केंद्रीय बजट 2021 के शिक्षा बजट में सरकार का पूरा फोकस हाइब्रिड शिक्षा पर होगा। इसलिए शिक्षा बजट में 10 हजार करोड़ रुपये तक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसके अलावा नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करवाने के लिए भी विशेष बजट जारी होगा।

डिजिटल शिक्षा के कारण दस हजार करोड़ रुपये तक शिक्षा बजट में बढ़ोतरी की संभावना

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय महामारी के बाद अब शिक्षा को तकनीक से जोड़ने पर फोकस कर रहा है। इसी के तहत केंद्रीय बजट 2021 के तहत केंद्रीय वित्त मंत्रालय से हाइब्रिड शिक्षा के लिए बजट में विशेष प्रावधान की मांग रखी गई है। इसका मकसद 2021 सत्र से स्कूल और कॉलेज खुलने के बाद भी पारंपरिक क्लासरूम के साथ ऑनलाइन क्लासेज को जारी रखना है। इसके तहत विशेष पाठ्यक्रम भी तैयार करना है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड होंगे। यानी क्लासरूम और ऑनलाइन दोनों को मिलाकर आधारित पाठ्यक्रम से पढ़ाई होगी। इसके लिए ऑनलाइन लाइब्रेरी, लैब से लेकर क्लासरूम को स्मार्ट क्लासरूम में बदला जाना है।

इसके अलावा शिक्षकों को टेक्नोलॉजी से जोड़कर पढ़ाई करवाने के लिए विशेष ट्रेनिंग अभियान भी शुरू करना है। स्कूलों से ही छात्रों को रोजगार से जोड़ने के लिए कौशल विकास की ट्रेनिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे नए कोर्स, इंटर्नशिप आदि पर काम होना है। केंद्रीय बजट 2020 में शिक्षा के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट मिला था। हालांकि केंद्रीय बजट 2021 में यह सवा लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना है।

रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप

बजट में रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप के बजट में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। दरअसल 2021 सत्र से नई शिक्षा नीति 2020 के तहत नेशनल एजुकेशन टेक्नोलॉजी फोरम और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन काम शुरू करेगा। इसे लागू करने के लिए सभी शिक्षण संस्थानों में सेटअप किया जाना है।

पंचायतों से जुड़ेंगे स्कूल

सरकार बजट में ऐसा प्रावधान कर सकती है कि ग्रामीण और दूरदराज के स्कूलों को पंचायतों के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। इसमें पंचायत अपने स्तर पर उनकी पढ़ाई को जारी रखने के लिए रेडियो, टीवी और कंप्यूटर के माध्यम से जोड़ सकती है।

सरकारी स्कूलों का अपग्रेडेशन किया जाएगा

नई शिक्षा नीति 2020 में आठवीं और 10वीं कक्षा तक के सरकारी स्कूलों को 12वीं कक्षा तक अपग्रेड किया जाना है। इन सरकारी स्कूलों को गुणवत्ता सुधार के तहत स्मार्ट क्लासरूम से जोड़ा जाएगा। यानी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे शहरों से विषय विशेषज्ञ तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन वहां के छात्रों को पढ़ाई करवायी जाएगी। इसमें प्रति कक्षा प्रति टीवी चैनल योजना भी शामिल है। यानी रेडियो और टीवी के माध्यम से पहली से 12वीं कक्षाओं के छात्रों को समान पढ़ाई का मौका देना है। सरकारी स्कूलों के बोर्ड परीक्षार्थी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए डिवाइस देने की व्यवस्था की जाएगी।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

22 Jan 2021

हकेंविवि को खोलने के बारे में कुलपति को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा केंद्रीय विश्विद्यालय हरियाणा के कुलपति को विश्विद्यालय को पुनः खोलने व छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा। अभाविप के रेवाड़ी विभाग संयोजक प्रवेश कौशिक व विश्वविद्यालय के कार्यकर्ता चिराग ने संयुक्त रूप से कहा कि कोरोना के कारण विद्यार्थियों को लंबे समय से अपने कैंपस से दूर रहना पड़ा हैं। जिस कारण उन्हें अपनी पढ़ाई का काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। विद्यार्थी परिषद ने कहा कि देश में रिकवरी दर 100 प्रतिशत के करीब है। इसलिए अविलंब विश्वविद्यालय को आम विद्यार्थियों के लिए खोला जाए। हॉस्टल को खाली करने के प्रोवोस्ट के निर्णय को तुरंत वापस लिया जाए। शोध के छात्रों को एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जाए व उस अवधि के लिए उन्हें फेलोशिप प्रदान की जाए। तुरंत प्रभाव से विश्वविद्यालय के

महेंद्रगढ़। कुलपति आरसी कुहाड को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय पुस्तकालय व हॉस्टल मेस को फिर से शुरू किया जाए व मेस की डाइट में आयुर्वेदिक काढ़े को शामिल किया जाए। बचे हुए विभागों में शिक्षक भर्ती को उन्हें शुरू किया जाए। हॉस्टल की छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन को स्थापित किया जाए। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से साफ सफाई व सेनिटाइजेशन की व्यवस्था हो।

'देश को नई शिक्षा नीति प्रो. कुहाड़ का तोहफा'

बलवान शर्मा ● नारनौल

देश को नई शिक्षा नीति देने वाले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देने की जब भी बात होगी तो उनका नाम सबसे अग्रणी होगा। जी हां, प्रो. आरसी कुहाड़ नई शिक्षा नीति बनाने के लिए गठित की गई केंद्रीय कमेटी के चेयरमैन रहे हैं और उन्होंने महेंद्रगढ़ के केंद्रीय विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाई पर ले जाने का कार्य किया है।

विश्वविद्यालय में उन्होंने पहली बार लर्निंग सिस्टम को स्वतंत्र रूप से लागू किया और आज 250 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध करवाए हुए हैं। प्रो. आरसी कुहाड़ ने आने वाले पांच साल का रोड मैप अभी से तैयार कर लिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय

प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण आर्काइव

में मूल्यांकन व परीक्षा सिस्टम को आधुनिक बनाया है। इसके साथ ही यह विश्वविद्यालय देश का पहला वीवी बनने जा रहा है, जहां पर अन्य सरकारी विभागों की तरह हर कार्य के लिए एसओपी लागू किया जा रहा है। यही नहीं विश्वविद्यालय में पहली बार प्रशासकीय आडिट भी शुरू की जा रही है। इससे विश्वविद्यालय के सभी 34 विभागों सहित प्रशासकीय, रिसर्च व अन्य सहयोगी गतिविधियों का भी आडिट होगा।

विश्वविद्यालय में पहली बार टेक्नालाजी स्टाक एक्सचेंज

विशेष बातचीत में प्रो. कुहाड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय में टेक्नालाजी स्टाक एक्सचेंज सेंटर बनाया जा रहा है। इस तरह का प्रयास शायद ही कहीं हो।

क्राप बेस बायोटेक्नालाजी को दिया जाएगा बढ़ावा : प्रो. कुहाड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय में क्राप बेस बायोटेक्नालाजी विषय लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। इससे किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी और पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश भी लगेगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस विषय पर नया सब्जेक्ट लांच किया जा सकता है। प्रो. कुहाड़ इस विषय पर बेहतरीन रिसर्च भी कर चुके हैं। उनका यह रिसर्च पूरे देशभर में चर्चाओं में रहा है।

कोरोना काल में आनलाइन दिया ज्ञान

जासं, रेवाड़ी: कोरोना काल में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं था जिसे चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। लाकडाउन के चलते जब हर कोई घर में कैद था उस समय भी शिक्षा की ज्योति जलती रही। यूरो ग्रुप आफ स्कूल ने कोरोना के इस दौर में भी न सिर्फ हजारों विद्यार्थियों को शिक्षित करने का काम किया बल्कि शिक्षा कभी रुकनी नहीं चाहिए इस ध्येय को लेकर भी हर स्तर पर काम किया। यूरो ग्रुप के रेवाड़ी, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ व भिवाड़ी में 11 स्कूल हैं।

स्कैन करें और पढ़ें 'सुभाष चंद्र बोस' से संबंधित अन्य सामग्री।

ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित संसाधनों से लैस होंगे स्कूल

तैयारी ▶ नए वित्त वर्ष के बजट आवंटन से पूर्व शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से मांगा प्लान

मौजूदा समय में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूलों के पास ही है इंटरनेट की सुविधा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना संकटकाल के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई भले ही एक विकल्प के रूप में शुरू की गई, लेकिन सरकार अब इसे एक नया आधार देगी। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। खासकर स्कूलों में इससे जुड़ी मुहिम को और तेज किया जाएगा। इसके तहत स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाया जाएगा। इनमें बिजली, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं अहम होंगी।

स्कूलों में इस मुहिम को तेज करने की योजना इसलिए भी बनाई गई है, क्योंकि मौजूदा समय में देश के ज्यादातर स्कूलों के पास ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर कोई इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं है। यूनिफाइड

▶ ढाई लाख से ज्यादा सरकारी स्कूलों में बिजली भी नहीं

ऑनलाइन शिक्षा की तैयारियां तेज। (फाइल)

डिस्ट्रिक इन इनफारमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के सिर्फ डेढ़ लाख सरकारी स्कूलों के पास ही इंटरनेट की सुविधा है। वहीं कम्प्यूटर सिर्फ तीन लाख स्कूलों के पास है। इससे भी बड़ी बात यह है कि देश के करीब ढाई लाख सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां अब तक बिजली नहीं है।

देश में वैसे तो मौजूदा समय में पंद्रह लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें दस लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल हैं। खास बात यह है कि निजी स्कूलों की स्थिति भी इस मामले में बहुत अच्छी नहीं है। यह बात अलग है कि सरकारी स्कूलों के मुकाबले इनकी स्थिति थोड़ी बेहतर है।

बहरहाल, ऑनलाइन पढ़ाई से जुड़ी इन समस्याओं को दूर करने की योजना पर सरकार अब मजबूती से काम कर रही है। ताकि कोरोना जैसी किसी नई चुनौती के आने पर उसका डटकर मुकाबला कर सके। राज्यों से इसे लेकर विस्तृत प्रस्ताव मांगे गए हैं, जिससे ऑनलाइन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती दी जा सके। इसके साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण की भी पूरी रिपोर्ट मांगी गई है। वैसे भी शिक्षकों को ऑनलाइन से जुड़े प्रशिक्षण देने को लेकर निष्ठा सहित कई प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं। आने वाले नए वित्तीय वर्ष से पहले शिक्षा मंत्रालय की इस कवायद को काफी अहम माना जा रहा है। वैसे भी मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि ऑनलाइन पढ़ाई आगे भी जारी रहेगी। साथ ही तीस फीसद पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाया जाएगा।

कुलपति को ज्ञापन सौंप केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की मांग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने गुरुवार को विश्वविद्यालय खोलने व छात्राओं की समस्या को लेकर कुलपति आरसी कुहाड़ को ज्ञापन सौंपा। अभाविप रेवाड़ी विभाग संयोजक प्रवेश कौशिक व विश्वविद्यालय के कार्यकर्ता चिराग ने कहा कि कोरोना के कारण विद्यार्थियों को लंबे समय से कैंपस से दूर रहना पड़ रहा है, जिस कारण उन्हें पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। उन्हींने छात्राओं की समस्याओं से भी वीसी को अवगत करवाया। मांगों पर कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सामान का ध्यान रखा जाएगा। अभी विश्वविद्यालय के हॉस्टल की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने विश्वविद्यालय को चरणबद्ध तरीके से खोलने की भी सहमति जताई व अन्य मांगों पर विचार करने का आश्वासन भी दिया।

विश्वविद्यालय को खोलने को लेकर कुलपति को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य।

विद्यार्थी परिषद ने इन मांगो को लेकर सौंपा ज्ञापन

देश में रिकवरी दर 100 के करीब है। इसलिए तुरंत विश्वविद्यालय को खोला जाए। हॉस्टल को खाली करने के प्रोवोस्ट के निर्णय को तुरंत वापस लिया जाए। शोध के छात्रों को एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जाए व उस अवधि के लिए उन्हें फैलोशिप प्रदान की जाए। तुरंत प्रभाव से विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय व हॉस्टल मेस को फिर से शुरू किया जाए व मेस की डाइट में आयुर्वेदिक काढ़े को भी शामिल किया जाए। बचे हुए विभागों में शिक्षक भर्ती को शुरू करना। हॉस्टल की छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन को स्थापित करना। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से साफ-सफाई व सैनिटाइजेशन की व्यवस्था हो।

देश के समग्र आर्थिक विकास में स्टार्टअप महत्वपूर्णः निशंक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के समग्र आर्थिक विकास में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप के महत्व को कम नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे छोटी कंपनियां हो सकती है, लेकिन वे किसी देश के समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह स्टार्टअप ही है, जो नौकरियों का सृजन करती है। इसका अर्थ है कि ज्यादा रोजगार और इससे बेहतर अर्थव्यवस्था बनाना।

केंद्रीय मंत्री ने गुजरात शिक्षा विभाग के आईपी सुविधा केंद्र के उद्घाटन मौके पर कहा कि स्टार्टअप में इनोवेशन को पेटेंट करवाना भी उतना ही जरूरी है। शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन, इंटरनेशनल हैकाथॉन, इंस्टीट्यूशन के इनोवेशन काउंसिल, यूयूकेटीआई 2.0 आदि जैसे पहलें शुरू की हैं।

मंत्री ने आईपी सुविधा केंद्र के उद्घाटन मौके पर कहा, इनोवेशन पेटेंट करवाना जरूरी

उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने स्टार्टअप का पेटेंट अवश्य करवाएं। एक स्टार्टअप अपने विचारों को पेटेंट कराता है तो इसका मूल्य कई गुना बढ़ जाता है। जोकि अधिक निवेशकों को आकर्षित करता है। एक विचार को पेटेंट करना एक स्टार्टअप को अद्वितीय उत्पादों और सेवाओं को बनाने की अनुमति देता है।

एवीबीपी ने की सेंट्रल यूनिवर्सिटी दोबारा खोलने की मांग

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने वीरवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा के कुलपति को विश्विद्यालय को दोबारा खोलने व छात्रों की समस्याओं के बारे में ज्ञापन सौंपा। कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने मांग पर जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया।

अभाविप के रेवाड़ी विभाग संयोजक प्रवेश कौशिक, सदस्य चिराग ने कुलपति आरसी कुहाड़ को ज्ञापन सौंपा। जिसमें विभाग संयोजक प्रवेश कौशिक ने कहा कि कोरोना के कारण विद्यार्थियों को लंबे समय अपने कैंपस से दूर रहना पड़ा है। जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ है। अब देश में कोरोना की रिकवरी दर 100 के करीब पहुंच चुकी है। महेंद्रगढ़ जिले में यह दर सबसे अधिक 99 प्रतिशत से भी अधिक है। कोरोना की वैक्सीन भी आ चुकी है। इसलिए अविलंब विश्वविद्यालय को सभी विद्यार्थियों के लिए खोला जाए। हॉस्टल को खाली करने के निर्णय को तुरंत वापस लिया जाए।

हकेंविवि में कुलपति को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के सदस्य। संवाद

शोध के छात्रों को एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जाए। उस अवधि के लिए उन्हें फेलोशिप प्रदान की जाए। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय व हॉस्टल मेस को फिर से शुरू किया जाए। मेस की डाइट में आयुर्वेदिक काढ़े को शामिल किया जाए। बचे हुए विभागों में शिक्षक भर्ती शुरू की जाए।

हॉस्टल की छात्राओं के लिए सेनेटरी पेड वेंडिंग मशीन लगाई जाए। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से साफ सफाई व सैनिटाइजेशन की व्यवस्था हो। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। यूजीसी तथा केंद्र सरकार के नियमों को अपनाते हुए विद्यार्थियों को सभी सुविधा प्रदान की जाएंगी।

पांच विश्वविद्यालयों में स्थापित होंगी नेताजी के नाम पर पीठ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर साल भर चलने वाले कार्यक्रमों के लिए शिक्षा मंत्रालय ने दिया प्रस्ताव
- सभी छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण दिलाने के लिए भी एक इंटर्नशिप प्रोग्राम तैयार करने की पेशकश

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती को केंद्र सरकार का हरेक मंत्रालय अपने-अपने तरीके से यादगार बनाने में जुटा है। ऐसे में शिक्षा मंत्रालय ने भी एक विस्तृत योजना सौंपी है। इसमें नेताजी के नाम पर पांच विश्वविद्यालयों में पीठ (चेयर्स) स्थापित करने की पेशकश की गई है। वहीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी उनके जीवन और कालखंड पर आनलाइन अध्ययन सामग्री तैयार करने का फैसला किया है, जो छात्रों को पढ़ाया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय ने यह प्रस्ताव नेताजी की 125वीं जयंती समारोह की नोडल एजेंसी संस्कृति मंत्रालय को भेजा है। इस प्रस्ताव में मंत्रालय ने यह भी बताया है कि वह छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण दिलाने की योजना पर भी काम कर रही है। फिलहाल इसको लेकर छह महीने का एक क्रेडिट आधारित कार्यक्रम तैयार कराया जा रहा है, जिसमें सभी छात्रों को रक्षा संस्थानों या फिर अन्य सुरक्षा बलों के साथ जुड़कर इंटर्नशिप करने का मौका दिया जाएगा। हालांकि इन प्रस्तावों पर कब से काम शुरू होगा, यह नहीं बताया गया है।

मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक इसकी तैयारी की जा रही है। इससे साथ ही नेताजी से जुड़े पांच विश्वविद्यालयों के चयन का काम भी किया जा रहा है। इन्हीं पांच विश्वविद्यालयों में नेताजी के नाम पर पीठ स्थापित करने का फैसला लिया गया है। यह पीठ नेताजी से जुड़ी जानकारियों को आने वाली पीढ़ियों में आगे बढ़ाने सहित उनसे जुड़े शोध को भी प्रोत्साहित करेंगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन को हर साल पराक्रम दिवस के रूप में भी मनाने का फैसला किया है।

हिंदी को बढ़ावा • विवि के सभी विभाग, अनुभाग व कार्यालय राजभाषा अधिनियम की धारा के तहत दस्तावेज हिन्दी में जारी करेंगे

हकेंवि राष्ट्रभाषा को देगा बढ़ावा, प्रत्येक शुक्रवार हिन्दी में होंगे सभी कार्य

- **कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर ने जारी की सूचना**
- **हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास**

आनंद शर्मा | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर विशेष रूप से प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए सूचना जारी कर प्रत्येक शुक्रवार को कार्यालय के कार्य हिन्दी में किए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा उठाया गया यह कदम हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग हेतु यह बेहद जरूरी है कि कार्यालयों में अधिकतम कार्य हिन्दी में हों। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शुरू से ही इस दिशा में प्रयास कर रहा है। प्रत्येक शुक्रवार कार्यालयीन कार्य हिन्दी में अनिवार्य रूप से करने का कदम भी इन्हीं प्रयासों में से एक है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से हिन्दी के प्रचार-प्रसार में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। साथ ही साथ स्थानीय केंद्रीय संस्थानों के साथ मिलकर

महेंद्रगढ़ केंद्रीय विश्वविद्यालय (फाइल फोटो)

भी विश्वविद्यालय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महेंद्रगढ़ के माध्यम से भी हिन्दी को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सभी विभाग, अनुभाग व कार्यालय राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेज हिन्दी में जारी करेंगे। इस दिशा-निर्देश की अनुपालना बीते शुक्रवार से आरम्भ हो गई है और इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव का कहना है कि माननीय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर सदैव प्रयासरत रहते हैं। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के मार्गदर्शन व दिशा-निर्देश की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय में हर शुक्रवार को कार्यालयों का कार्य पूर्णतया हिन्दी में शुरू किया गया है।

डॉ. भूकर ने कहा कि यह एक शुरूआत है और अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से विश्वविद्यालय की ओर से जारी हिन्दी को बढ़ावा देने के संबंध में बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा के साथ-साथ मातृभाषा भी है इसलिए इसका उपयोग जितना अधिक किया जाए उतना उत्तम है।

भास्कर खास • कोरोना के बाद बदली शिक्षा प्रणाली पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल से बातचीत, पढ़िए खास अंश

कोरोना बड़ी चुनौती बना, लेकिन ई-विद्या से 25 करोड़ स्कूली बच्चों को फायदा हुआ, अब 75 फीसदी पात्रता का प्रावधान भी हटाया: निशंक

धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया | नई दिल्ली

कोरोना में छात्रों की पढ़ाई का तरीका पूरी तरह बदलकर ई-लर्निंग पर आ गया।

लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई महज 26% बच्चे कर पाए। **केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक** से वर्तमान शिक्षण परिदृश्य, नई शिक्षा नीति, बड़े पैमाने पर टीचर्स की कमी के मुद्दे पर भास्कर से चर्चा की। पढ़िए खास अंश..

▪ स्कूल-कॉलेजों में जिस तरह पढ़ाई होनी चाहिए, क्या वह हो पाई?

कोरोना की वजह से शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौती खड़ी हो गई थी। मंत्रालय ने कई कदम उठाए। छात्रों को मल्टी-मोड में पढ़ाने के लिए पीएम ई-विद्या शुरू किया। इससे देशभर में 25 करोड़ स्कूली बच्चों को फायदा हुआ। कई राज्यों में शिक्षा संस्थान खुल रहे हैं। डिस्टेंस एजुकेशन पॉलिसी में छूट के निर्देश जारी किए हैं।

▪ जेईई, नीट में मौके सीमित हैं, छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने की सोचेंगे?

मैं छात्रों से नियमित संपर्क में हूं। इसके कारण हम जेईई मेन्स का सफल आयोजन कर पाए। यह आदर्श उदाहरण है, जिसके आधार पर बिहार में विधानसभा चुनाव हुए। अब साल में 4 बार जेईई मेन्स होने जा रही है। इससे उन्हें पर्याप्त मौके मिलेंगे।

▪ बच्चे विषम हालात से गुजरे हैं। राहत देने सरकार क्या कर रही है?

छात्रों के लिए उठाए गए कदमों की सूची लंबी है। हमने 75% पात्रता के प्रावधान को हटा दिया। मनोवैज्ञानिक मदद के लिए मनोदर्पण की शुरुआत की। सभी संस्थानों से फीस न बढ़ाने की अपील की।

▪ स्कूल, कॉलेज और विवि में बड़े पैमाने पर शिक्षक कम हैं, 2021 में नई नियुक्ति की क्या योजना है?

शिक्षकों की भर्ती लगातार की जा रही है। 2020 में स्कूल और उच्च शिक्षा में कुल 21,176 नियुक्तियां की हैं, जबकि 40 हजार से अधिक पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है। टीईटी में बेहतर परीक्षा सामग्री दी जाएगी, ताकि इसे और मजबूत किया जा सके। जहां अच्छे शिक्षकों की कमी है, वहां शिक्षकों को इंसेंटिव दिया जाएगा।

▪ नई शिक्षा नीति कब लागू होगी?

शिक्षा मंत्रालय ड्राफ्ट इम्प्लीमेंटेशन के लिए निश्चित टाइमलाइन के साथ वर्कशॉप आयोजित कर रहा है। हाल ही में मैंने स्कूल शिक्षा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एनईपी के कार्यान्वयन में समन्वय के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की सिफारिश की है। इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए ये सुझाव दिया कि एक समीक्षा समिति और एक कार्यान्वयन समिति बने।

▪ वर्चुअल पढ़ाई के परिणाम कैसे हैं?

छात्रों ने जेईई, नीट और बोर्ड परीक्षाओं में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कोरोना ने हमें शिक्षा प्रक्रिया को पुनः व्यवस्थित करने का मौका दिया। ब्लेंडेड मोड में शिक्षा को बढ़ावा दिया गया।

परीक्षा के तरीके से परिणाम जारी करने तक की प्रक्रिया में होगा व्यापक बदलाव

अब पाठ्यक्रम से लेकर परीक्षा परिणाम तक सभी जानकारी होंगी वेबसाइट पर

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा एग्जाम को लेकर स्टेंडर्ड ऑपरेशन पोसीजर बनाएगी। इसके हिसाब से परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। हर एक कोर्स की परीक्षा का शेड्यूल तय होगा। परीक्षा का रिजल्ट कितने दिन में आएगा यह जानकारी भी पहले से ही उपलब्ध होगी। परीक्षा से संबंधी सभी जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी।

हकेंवि अपनी एग्जाम सिस्टम में व्यापक बदलाव करने की तैयारी में जुट गया है। जिसमें पहले चरण में यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन एग्जाम को लागू कर दिया है। परीक्षा अनुभाग ने ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) एग्जामिनेशन को पहले चरण में शुरू कर दिया है।

जिसमें शैक्षणिक संसाधनों के विकास, ऑनलाइन शिक्षा के लिए आवश्यक सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, ऑनलाइन वीडियो लेक्चर, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम को विकसित किया गया। इस सिस्टम के जरिए विद्यार्थियों ने कोरोना संकट के इस समय में घर पर रहकर सुरक्षित, सुगम ऑनलाइन शिक्षा सुविधाएं हासिल की। अब परीक्षा के रिजल्ट को लेकर भी एसओपी तैयार की जा रही है। जिसमें हर एक परीक्षा के लिए एग्जाम शेड्यूल पहले से ही तैयार होगा। विद्यार्थियों को दाखिले के समय ही पूरी जानकारी होगी कि कब क्लासेज शुरू होंगी। कब परीक्षा होंगी तथा कब रिजल्ट आएगा। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर हर एक पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़। संवाद

> परीक्षा को लेकर हमने व्यापक बदलाव की तैयारी की है। कई यूनिवर्सिटी में एग्जाम के बाद कई कई महीने तक रिजल्ट नहीं आते। रिजल्ट आने की कोई तारीख भी तय नहीं होती। हमने 15 दिन में रिजल्ट जारी करने का रिकार्ड बनाया है। अब हर परीक्षा के रिजल्ट की तारीख पहले से ही तय होगी। हर शिक्षक,अधिकारी की जिम्मेदारी तय रहेगी।
>
> **प्रो. आरसी कुहाड़, कुलपति, हकेंवि, महेंद्रगढ़।**

हर एक की जिम्मेदारी होगी तय

पाठ्यक्रम को समय पर पूरा कराने की जिम्मेदारी शिक्षकों की होगी। इसके बाद एग्जाम सेल तय समय पर परीक्षा का आयोजन कराएगी। सीक्रेसी ब्रांच समय पर पेपर जांच के लिए भेजेगी। सभी अधिकारियों की परीक्षा को लेकर जिम्मेदारी रहेगी।

वर्चुअल क्लास रूम में होगी रिकार्डिंग

यूनिवर्सिटी ने वर्चुअल क्लास रूम स्थापित किए हैं। जिसमें शिक्षक ऑनलाइन क्लास में जो लेक्चर देंगे वह रिकार्ड हो जाएगा। अगर शिक्षक चाहे तो उसे दोबारा से रिकार्ड कर सकेगा। उसे अपडेट कर सकता है। इसके बाद उसे स्टूडेंट के लिए लिंक भेजकर उपलब्ध करा पाएगा।यूनिवर्सिटी ने कोरोना के समय में 6 हजार ई-बुक्स खरीदी। जिन्हें सेंट्रल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के अलावा बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी तथा इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध कराया।

जेईई मेन से दाखिले में भी 75% अंक की नहीं होगी अनिवार्यता

नई दिल्ली। जेईई एडवांस्ड के बाद अब जेईई मेन 2021 से होने वाले बीटेक और बीआर्क प्रोग्राम के दाखिले में भी 12वीं में 75 फीसदी अंक और टॉप 20 पर्सेंटाइल की अनिवार्यता नहीं होगी। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के कारण छात्रों को राहत देने के मकसद से यह छूट देने का फैसला किया है।

केंद्रीय शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को कहा कि आईआईटी के बाद अब एनआईटी, आईआईआईटी, आईआईईएसटी, शिवपुर (पश्चिम बंगाल) और केंद्रीय सहायता प्राप्त 25 शिक्षण संस्थानों में भी जेईई मेन 2021 की मेरिट स्कोर से दाखिला लेने वाले छात्रों को लाभ मिलेगा। ब्यूरो

जेईई और नीट में छात्रों को मिलेंगे ज्यादा प्रश्नों के विकल्प

शिक्षा संवाद ▶ निशंक ने कहा–स्कूल खुलने के बाद भी जारी रहेगी ऑनलाइन पढ़ाई

बोर्ड की परीक्षाओं में कम किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर ही पूछे जाएंगे सवाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना काल में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए राहत की खबर है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नीट) में छात्रों को ज्यादा प्रश्नों का विकल्प मिलेगा। हालांकि प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से ही पूछे जाएंगे। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों से शिक्षा संवाद कार्यक्रम के जरिये बातचीत के दौरान शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने जेईई और नीट में हटाए गए पाठ्यक्रम से सवाल नहीं पूछे जाने की बात कही थी। बात में मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कम पाठ्यक्रम से केवल बोर्ड परीक्षाओं में ही

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कई मुद्दों पर छात्रों के संशय दूर कर दिए हैं। फाइल

प्रश्न पूछे जाएंगे। कोरोना संकट को देखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई के पाठ्यक्रम को इस बार तीस फीसद तक कम किया था।

शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि जेईई मेंस में 75 के बजाय छात्रों को 90 प्रश्नों में से चुनने का विकल्प मिलेगा। इसी तरह नीट में 180 के बजाय 200 से ज्यादा सवाल पूछे जाने की तैयारी है। इससे पहले शिक्षा संवाद कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री निशंक ने छात्रों की कई शंकाओं को दूर किया। एक सवाल के जवाब में निशंक ने कहा कि मौजूदा हालात में सभी छात्रों को क्लासरूम में बुलाना संभव नहीं है। ऐसे में आगे भी ऑनलाइन पढ़ाई जारी रहेगी। उन्होंने प्रत्येक कक्षा में फिलहाल आधे-आधे बच्चों को ही बुलाए जाने के संकेत दिए हैं। संवाद में उन्होंने अलग-अलग मसलों पर छात्रों के करीब 15 सवालों के जवाब दिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) की पढ़ाई के सवाल पर निशंक ने बताया कि फिलहाल नौवीं से इसकी तैयारी है। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों से कोरोना संकट काल के अपने अनुभवों को डायरी में लिखने और किसी खास अनुभव को सीधे उनसे साझा करने का सुझाव भी दिया। छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि छात्रों में नई ऊंचाई छूने की क्षमता है। निशंक ने शिक्षकों, प्राचार्यों और अभिभावकों के सहयोग को भी सराहा। इस दौरान एक छात्र एक सवाल के जवाब में निशंक ने कहा कि वह कविताओं के लिए अभी भी समय निकाल लेते हैं।

उच्च शिक्षण संस्थानों को मिलेगा वैश्विक स्वरूप

तैयारी ▶ सभी विश्वविद्यालयों में खुलेंगे इंटरनेशनल अफेयर से जुड़े ऑफिस

विदेशी छात्रों को लुभाने सहित दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ बढ़ाएंगे तालमेल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अमल के साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक स्वरूप देने की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके लिए देशभर के सभी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय मामलों (इंटरनेशनल अफेयर्स) से जुड़ा एक ऑफिस खोला जाएगा। यह विदेशी छात्रों को अपनी ओर लुभाने सहित उनसे जुड़े सभी तरह के मामलों के लिए जिम्मेदार होगा। इन दफ्तरों को खोलने की शुरुआत इसी साल से हो जाएगी।

नीति के अमल से जुड़ी शिक्षा मंत्रालय की उच्चस्तरीय टीम की सिफारिश के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों को इसके निर्देश भी जारी कर दिए हैं। कुलपतियों को लिखे गए पत्र में यूजीसी ने इस नए ऑफिस के काम-काज को भी तय किया है, जो विदेशी छात्रों से जुड़े मामलों को देखने के साथ दुनियाभर के शीर्ष संस्थानों के साथ तालमेल भी रखेगा। यह शैक्षणिक और शोध दोनों ही स्तरों पर होगा। इस दौरान विदेशी संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को भारतीय विश्वविद्यालयों में अतिथि शिक्षक के रूप में बुलाया जा सकेगा। वहीं, भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक भी दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए जा सकेंगे। इसके साथ ही दुनिया के प्रमुख देशों में संस्थान की ब्रांडिंग सहित उनके नए कोर्सों और स्कालरशिप आदि स्कीमों का भी विदेशी छात्रों के बीच प्रचार-प्रसार करेंगे। खास बात यह है कि इस पहल से उच्च शिक्षण संस्थानों को किसी भी शीर्ष विदेशी संस्थानों के साथ सीधे तालमेल करने की भी स्वायत्तता मिल गई है। शिक्षा मंत्रालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए अब तक जो पहल की है, उसमें इसे काफी अहम माना जा रहा है। मंत्रालय इससे पहले देश के 20 उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए चयनित भी कर चुका है। इसको लेकर तेजी से काम हो रहा है। इनमें 10 सरकारी और 10 निजी क्षेत्र के उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं।

विश्वविद्यालयों में पूर्व छात्रों का बनेगा सेल

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों से पूर्व छात्रों का डाटा बैंक बनाने को कहा है। फाइल

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को अपने पूर्व छात्रों का एक सेल बनाने का सुझाव दिया है, जिसमें संस्थान से पढ़कर निकले देश और विदेश के सभी छात्रों को जोड़ा जाएगा। यूजीसी ने सभी संस्थानों से पूर्व छात्रों का एक डाटा बैंक तैयार करने को भी कहा है, जिनसे संस्थान को आगे बढ़ाने सहित बदलावों को लेकर आवश्यक रूप से राय ली जा सके। यूजीसी ने इसे लेकर विश्वविद्यालयों से अपने पूर्व छात्रों की तलाश के लिए एक मुहिम भी चलाने को कहा है।